INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-53 | मथुरा, रविवार, 19 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बढ़ती शिकायतों पर यूपीपीसीएल ने लिया बड़ा फैसला

स्मार्ट मीटर बदलने की प्रक्रिया फिलहाल बीच में रोकी गई

उपभोक्ताओं की समस्याओं की जांच करेगी एक्सपर्ट कमेटी

तकनीकी खामियों और बिलिंग सिस्टम की होगी समीक्षा

कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही आगे होगा निर्णय

यूनिक समय, मथुरा/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने स्मार्ट मीटर को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों पर सख्त रुख अपनाया है। प्रदेशभर में उपभोक्ताओं की बढ़ती नाराजगी और तकनीकी खामियों की शिकायतों के बीच अब एक उच्चस्तरीय एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया गया है। यह कदम मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद उठाया गया है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है।

स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें पिछले कुछ समय से तेजी से बढ़ी हैं। लोगों का आरोप है कि मीटर तेज चल रहे हैं, जिससे बिजली के बिल में अचानक वृद्धि हो रही है। कई जगहों पर तकनीकी खराबी और गलत रीडिंग की समस्याएं भी सामने आई हैं। इन शिकायतों के कारण आम उपभोक्ता परेशान हैं और विभाग के खिलाफ असंतोष भी बढ़ रहा है।

इन परिस्थितियों को देखते हुए यूपीपीसीएल ने फिलहाल स्मार्ट मीटर बदलने की प्रक्रिया को रोकने का फैसला लिया है। अब तक जिन क्षेत्रों में नए मीटर लगाए जा रहे थे, वहां काम अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। विभाग का कहना है कि जब तक एक्सपर्ट कमेटी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देती, तब तक कोई नया निर्णय नहीं लिया जाएगा। गठित कमेटी में तकनीकी विशेषज्ञों और ऊर्जा क्षेत्र के अनुभवी अधिकारियों को शामिल किया गया है। यह कमेटी स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, बिलिंग सिस्टम और उपभोक्ताओं की शिकायतों की गहराई से जांच करेगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि कहीं तकनीकी गड़बड़ी या सिस्टम की खामी तो इस समस्या की जड़ नहीं है। अब प्रदेशभर की निगाहें इस रिपोर्ट पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि कमेटी की सिफारिशों के आधार पर ही आगे की नीति तय होगी। यदि खामियां पाई जाती हैं तो सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे और उपभोक्ताओं को राहत देने की कोशिश की जाएगी। फिलहाल यह फैसला उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा माना जा रहा है, क्योंकि इससे उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना जा रहा है और समाधान की दिशा में ठोस पहल होती नजर आ रही है।

उप्र पुलिस मुख्यालय का बड़ा फैसला

झूठी एफआईआर पर सख्ती वाला सर्कुलर रद्द

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने झूठी एफआईआर और झूठी गवाही पर कार्रवाई से जुड़े अपने पहले जारी सर्कुलर को फिलहाल निरस्त कर दिया है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के कुछ निर्देशों पर रोक लगा दी गई है।

दरअसल 14 मार्च 2026 को डीजीपी राजीव कृष्ण की ओर से जारी सर्कुलर में यह प्रावधान किया गया था कि यदि कोई एफआईआर झूठी पाई जाती है तो शिकायतकर्ता और गवाहों के खिलाफ अनिवार्य रूप से अदालत में परिवाद दायर किया जाएगा। साथ ही कार्रवाई में लापरवाही बरतने पर संबंधित पुलिस अधिकारियों को भी जिम्मेदार ठहराने का प्रावधान था।

हालांकि, 'उम्मे फरवा बनाम राज्य सरकार' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के कुछ हिस्सों–विशेषकर पैरा 45 से 48–पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी। यही वे निर्देश थे, जिनके आधार पर यूपी पुलिस ने सख्त सर्कुलर जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस स्टे के बाद अब उस सर्कुलर को प्रभावहीन कर दिया गया है।

नए सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि फिलहाल पुराने आदेश पर अमल नहीं किया जाएगा। झूठी एफआईआर और गवाही के मामलों में आगे की कार्रवाई अब सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय के आधार पर तय होगी।

इस फैसले के बाद फिलहाल पुलिस कार्रवाई की सख्त प्रक्रिया पर विराम लग गया है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय के बाद ही यह तय होगा कि झूठे मामलों पर किस तरह की सख्ती लागू की जाएगी। फिलहाल यह मामला न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है और सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जो भविष्य में पुलिस कार्रवाई की दिशा तय करेगा।

जनरल गंज में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित शहर के जनरलगंज में रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई।

जनरलगंज निवासी 38 वर्षीय क्षमा रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे घर में खाना बना रही थी। इसी दौरान वह अचानक गिर पड़ी। महिला के इस तरह गिरने पर परिवार में हड़कंप मच गया। परिवार के लोग उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। कोतवाल प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्र ने बताया कि महिला की सामान्य मौत हुई है। इस संबंध में कोई प्रार्थना–पत्र नहीं आया है।

पति ने हिडन केमरे से बनाई पत्नी की आपत्तिजनक वीडियो

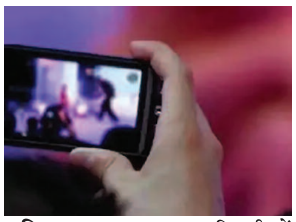

प्रेमिका को भेजी बनाई गई वीडियो

दहेज के लिए मारपीट करने पर महिला मायके में रह रही है

पति द्वारा बनाए गए वीडियो को वायरल करने की दी धमकी

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली में ब्याही आगरा की एक युवती के पति ने कमरे में हिडन केमरा लगा कर आपत्तिजनक वीडियो बना ली और उसको प्रेमिका के भेज दिया। ससुराल में मारपीट से परेशान मायके में रह रही महिला को वीडियो वायरल करने की धमकी देने पर आगरा के हरीपर्वत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

आगरा की रहने वाली एक युवती की शादी पीतमपुरा दिल्ली के रहने वाले एक युवक के साथ 12 नवंबर 2024 को हुई थी। युवती और उसकी बहन मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करती है।

महिला का आरोप है कि शादी के बाद ससुर ने अपना 500 करोड़ का कारोबार बता कर दहेज के रूप में 10 करोड़ रुपये की मांग की। मांग को लेकर पति मारपीट करता था। पति का बागपत में रहने वाली एक महिला जो गुरुग्राम में नौकरी करती है उससे प्रेम प्रसंग है। तीन जनवरी 2025 को ससुराल में उसके साथ मारपीट कर उसे बंधक बनाया गया पिता ने आकर पुलिस की सहायता से निकाला था। इसके बाद से वह मायके में रह रही है। पति ने कमरे में एक हिडन केमरा लगा कर पत्नी का आपत्तिजनक वीडियो शूट किया और अपनी प्रेमिका को भेज दिया।

इस बात की जानाकारी पत्नी को उस समय हुई जब इस वीडियो को वायरल करने की धमकी दी जाने लगी। इस मामले में थाना हरीपर्वत में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के बाद जांच शुरू कर दी है।

सख्ती | **मथुरा में 'साइबर सिंघम' की एंट्री**

अब डिजिटल सबूतों से पकड़े जाएंगे अपराधी

अब डिजिटल जाल में फंसेंगे अपराधी,

हाईटेक जांच से बढ़ेगी पुलिस की ताकत

अब साइबर अपराधियों की खैर नहीं

साइबर विशेषज्ञों की तैनाती से बढ़ेगी सुरक्षा

क्या है 'साइबर सिंघम' प्लान

- हर जिले में प्रशिक्षित फोरेंसिक टीम
- क्राइम सीन पर तत्काल वैज्ञानिक जांच
- डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित संग्रह
- साइबर अपराधों की तेज ट्रैकिंग

पुलिसिंग में क्या बदलेगा

- जांच अधिक सटीक और पारदर्शी होगी
- अपराधियों की जल्द पहचान हो सकेगी।
- तकनीक आधारित कार्रवाई से सजा दर बढ़ेगी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा समेत पूरे उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध पर लगाम कसने के लिए अब 'साइबर सिंघम' की खास फौज तैयार की जा रही है। इस नई पहल के तहत हर जिले में तकनीकी रूप से प्रशिक्षित पुलिसकर्मी तैनात होंगे, जो पारंपरिक जांच के बजाय डिजिटल और वैज्ञानिक तरीकों से अपराधियों तक पहुंचेंगे।

लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक साइंस में पांच चरणों में 500 फोरेंसिक विशेषज्ञ तैयार करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है।

अब तक 300 विशेषज्ञों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है, जबकि बाकी बैचों का प्रशिक्षण जल्द पूरा किया जाएगा। इन प्रशिक्षित अधिकारियों को मथुरा सहित सभी 75 जिलों में तैनात किया जाएगा। मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थल पर साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है–ऑनलाइन ठगी, फर्जी बुकिंग, डिजिटल फ्रॉड जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे में साइबर सिंघम टीम यहां खास भूमिका निभाएगी।

ये विशेषज्ञ डिजिटल एविडेंस जुटाने, साइबर ट्रैकिंग और फोरेंसिक विश्लेषण के जरिए अपराधियों की पहचान तेजी से कर सकेंगे।

इस योजना की खास बात यह है कि प्रशिक्षित अधिकारी अपने–अपने जिलों में अन्य पुलिसकर्मियों को भी ट्रेनिंग देंगे, जिससे पूरी पुलिस व्यवस्था तकनीकी रूप से मजबूत होगी। क्राइम सीन मैनेजमेंट से लेकर डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने तक, हर स्तर पर सुधार देखने को मिलेगा। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि अगला प्रशिक्षण बैच 27 अप्रैल से शुरू होगा। यह पहल न सिर्फ अपराधियों के लिए चुनौती बनेगी, बल्कि मथुरा जैसे शहरों में कानून–व्यवस्था को और ज्यादा स्मार्ट और प्रभावी बनाएगी।

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।
8394983366

अक्षय तृतीया पर बांके बिहारी मंदिर में चरण दर्शन उत्सव कल

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मनाया जाने वाला चरण दर्शन उत्सव 20 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस विशेष पर्व को लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। अक्षय तृतीया के दिन भक्तों को भगवान बांके बिहारी के चरण दर्शन का दुर्लभ अवसर प्राप्त होता है, जिसके चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की ओर से मंदिर के सेवायतों से अनुरोध किया गया है कि दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए सुबह और

प्रशासन ने उत्सव की तैयारियां पूरी की

शाम के समय में एक-एक घंटे की वृद्धि की जाए, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर सकें और भीड़ का दबाव कम हो सके। इस संबंध में सेवायत समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि मंदिर की परंपराओं और मर्यादाओं का पालन सर्वोपरि है, फिर भी श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समय विस्तार पर विचार किया जा सकता है। अक्षय तृतीया के अवसर पर सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं।

अक्षय तृतीया पर मंदिर में भक्ति का दिव्य उत्सव

भक्तों ने किए भगवान के 24 अवतारों के दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः काल भगवान का विशेष अभिषेक 51 किलो दूध, दही, बूरा, शहद, घृत और सुगंधित इत्र से बिट्टू गोस्वामी द्वारा विधि-विधान से किया गया। इसके बाद भगवान का सुगंधित चंदन से आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिससे मंदिर परिसर दिव्य आभा से भर उठा।

इस अवसर पर भगवान के संपूर्ण 24 अवतारों के सर्वांग स्वरूप के दर्शन भक्तों को कराए गए, जिन्हें देखने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में सुंदर फूल बंगला सजाया गया, जिसने भक्तों का मन मोह लिया। श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल के सदस्यों द्वारा भक्ति रस से भरपूर हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के

अक्षय तृतीया पर केशव देव मंदिर में भव्य अभिषेक और संकीर्तन

51 किलो दूध से किया अभिषेक

दौरान सतू प्रसाद अर्पित कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा सहित सुरेश चंद्र अग्रवाल, नारायण प्रसाद शर्मा, दीपक शर्मा, मुकदमणि शर्मा, मनमोहन सर्राफ, महेश गोयल और राजकुमार अग्रवाल सहित कई प्रमुख श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गो माता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने को निकाली अनौखी यात्रा

गाय को राष्ट्रीय माता घोषित कराने के लिए सड़क पर लुढ़क कर यात्रा करता युवक, साथ में है उसका परिवार।

यूनिक समय मथुरा। एक युवक अपने परिवार के साथ गो माता को राष्ट्रीय माता घोषित कराने के लिए अनौखी यात्रा कर लोगों को जागरूक कर रहा है। बुंलदशहर से शुरू हुई यह अनोखी यात्रा कोसीकलां पहुंची। यहां पर लोगों ने यात्रा का स्वागत किया।

बुलंदशहर का रहने वाला हार्दिक यादव अपने पूरे परिवार जिस में दादी, नानी, मौसी, बहन और भाइयों के साथ गो माता को राष्ट्रीय माता घोषित कराए जाने के लिए लोगों में इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने के लिए एक अनौखे तरीके से यात्रा कर रहा है। युवक सड़क पर लेट कर लुढ़कता हुआ आगे बढ़ रहा है। रास्ते में इस अनौखी यात्रा को देख कर सड़क पर चलने वाले लोग रुक कर उसे देखते हैं और इसके बारे में पूछते हैं। बताया

गाय को राष्ट्रीय माता घोषित कराने को जागरूक करता युवक

कोसीकलां में श्रद्धालुओं ने यात्रा का किया जोरदार स्वागत

गया कि बुलंदशहर से शुरू हुई अनौखी यात्रा कोसीकलां होती हुई कोकिलावन नंदगांव, बरसाना गोवर्धन और मथुरा होती हुई वृंदावन पहुंचकर समाप्त होगी।

कोसीकलां पहुंची इस यात्रा का गोभक्तों और स्थानीय लोगों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया और फूल मालाओं से लाद दिया। लोगों ने हार्दिक यादव के इस प्रयास की सरहाना की।

मोहनेश्वर महादेव मित्र मंडल ने लगवाई हौदिया

अक्षय तृतीया पर मोहनेश्वर महादेव मित्र मंडल के द्वारा पशु, पंछियों के लिए हौदिया लगाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। मोहनेश्वर महादेव मित्र मंडल द्वारा अपने-अपने घर के आसपास दो हौदिया और एक दर्जन पिलास्टिक के कटोरे पंक्षियों व गाय को पानी पीने के लिए लगाए गए हैं। समाज सेवी ललित खत्री ने बताया कि भीषण गर्मी की शुरुआत के साथ ही इंसान ही नहीं बल्कि बेजुबान गोवंश भी पानी की बूंद बूंद के लिए तरस रहे हैं।

विकास खत्री ने कहा कि चिलचिलाती धूप में आवारा गोवंश पानी के अभाव में इधर-उधर भटकती है जिसे देखते हुए कृष्णा विहार के पार्क के आसपास हौदिया रखवाई गई है। यह सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। कार्यक्रम में योगेश चौरसिया, वंशी सिंह, हिमांशु चौधरी, कृष्णा गोला, प्रशान्त चौधरी, पवन पांडेय, सन्तोष सोनी, अनिल गोला, हिमांशु गोला आदि मौजूद रहे।

अर्थ हाउसिंग के द्वारा अक्षय तृतीया पर खास ऑफर

प्लॉट के साथ गोल्ड और विदेश यात्रा का मौका

अर्थ हाउसिंग बिल्डर्स के द्वारा अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में गणेश जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी मथुरा में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अर्थ हाउसिंग के द्वारा एक विशेष ऑफर दिया जा रहा है,यह आयोजन श्री वृंदावन विहार में 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक आयोजित किया गया। जिसमें लोगों को प्रॉपर्टी खरीदने के साथ-साथ कई आकर्षक लाभ भी दिए जा रहे है। इस विशेष योजना के अंतर्गत ग्राहकों को प्लॉट के साथ गोल्ड पाने का अवसर दिया जा रहा है, साथ ही परिवार के साथ विदेश यात्रा पर जाने का सुनहरा मौका भी इस योजना में जाने का मौका मिल रहा है। जिससे लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। अक्षय तृतीया जैसे शुभ पर्व पर इस तरह की योजना को लोगों ने काफी सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर मुख्य अतिथि श्री वृंदा के चेयरमैन राम अग्रवाल,ग्रुप डायरेक्टर्स राघव अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, आशीष अग्रवाल और केके गौतम के द्वारा किया गया। इसके अलावा अर्थहाउसिंग बिल्डटेक के फाउंडर्स विनय चौहान और राकेश चौधरी ने भी कार्यक्रम में

17 से 19 अप्रैल तक वृंदावन विहार में चला विशेष ऑफर

सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य लोगों को बेहतर निवेश के अवसर प्रदान करना और रियल एस्टेट के प्रति आकर्षण बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की योजनाएं लाई जाएंगी, जिससे ग्राहकों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की। कई लोगों ने मौके पर ही प्लॉट बुकिंग कर इस ऑफर का लाभ उठाया।

बाइक सवार की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा से बाइक से लौटते बाइक सवार को किसी वाहन ने सौंख के समीप टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल को अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना मगोर्रा के सौंख कस्बा निवासी 28 वर्षीय सौरभ शनिवार रात 11 बजे मथुरा से बाइक पर घर के लिए लौट रहा था। तभी सौंख के पास सामने से आते किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने सौरभ को मृत घोषित कर दिया। सीओ गोवर्धन अनिल कुमार ने बताया कि प्रार्थना-पत्र मिलने पर मुकदमा दर्ज करके अज्ञात वाहन की तलाश की जाएगी।

तापमान / मौसम

41 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,60,437
22 कैरेट 1,47,805
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,68,998 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐपः 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

तेज रफ्तार थार गाड़ी ने बरपाया कहर

जूस के इंतजार में खड़े बहन-भाई को रौंद कर पलटी थार

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे की चंदनवन कालोनी में जूस पीने के लिए स्कूटी से आए भाई बहन को जूस पीने आना मंहगा पड़ा। तेज रफ्तार थार गाड़ी स्कूटी और दोनों भाई बहन को अपनी चपेट में लेती हुई पलट गई। मौके से थार चलाने वाला भाग गया। चिकित्सकों को बहन का एक पैर काटना पड़ा।

सोशल मीडिया पर शनिवार की देर शाम हुई दुर्घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

बताया गया कि औरंगाबाद की भगवतीपुरम कालोनी में रहने वाले युवती खुशबू अपने भाई राजकुमार के साथ स्कूटी से जूस पीने के लिए सायं चंदनवन गई थी। चंदनवन में खड़ी स्कूटी पर खुशबू बैठी हुई थी भाई राजकुमार उसके साथ बातचीत कर

रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार थार गाड़ी ने स्कूटी और दोनों भाई बहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद थार पलट गई। दुर्घटना में दोनों भाई बहन बुरी तरह से घायल हो गए। मौका पाकर थार चलाने वाला वहां से भाग गया। गंभीर रूप से घायल भाई बहन के अस्पताल ले जाया गया। परिवार के लोगों को जब इस दुखद घटना का पता लगा तो बदहवास होकर दौड़ते हुए आए। बताया गया कि दुर्घटना में खुशबू के दौनों पैर और सिर में गंभीर चोट आई है। इलाज के दौरान चिकित्सकों को खुशबू का दांया पैर काट कर अलग करना पड़ा। थाना प्रभारी हाईवे शैलेंद्र सिंह का कहना है कि इस मामले में

हादसे के बाद परिवार सकते में बहन को गंवाना पड़ा अपना पैर

चालक थार छोड़कर भागा, थार पर भाकियू प्रदेश अध्यक्ष है लिखा

अभी तहरीर नहीं मिली है। परिवार के लोग पहले बच्चों का इलाज करा रहे हैं। धार गाड़ी को क्रेन से उठवाकर सीधा किया गया। लाल रंग की थार गाड़ी पर प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश भारतीय किसान यूनियन लिखा हुआ है। पुलिस गाड़ी मालिक के बारे में जानकारी कर रही है।

आरआरआई कक्ष में आग का असर तीसरे दिन भी रहा

यूनिक समय, मथुरा। बाद रेलवे स्टेशन के रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) कक्ष में लगी आग का असर तीसरे दिन भी मथुरा रेलखंड पर देखने को मिला। घटना के चलते रेल संचालन पूरी तरह सामान्य नहीं हो सका, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार तीसरे दिन भी एक ट्रेनों का रूट डायवर्जन किया गया। 12403 प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस को अछनेरा होकर निकाला गया। वहीं अन्य ट्रेनों की रफ्तार भी प्रभावित रही। महाकौशल एक्सप्रेस (डाउन) लगभग चार घंटे देरी से

ट्रेनों का रूट डायवर्जन और कई गाड़ियां हुईं लेट

चली।

ताज एक्सप्रेस करीब एक घंटा 30 मिनट, पंजाब मेल एक घंटा 30 मिनट, उज्जैनी एक्सप्रेस एक घंटा 45 मिनट तथा कर्नाटका एक्सप्रेस लगभग एक घंटा 30 मिनट देरी से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुईं। इसके अलावा अन्य कई रेलगाड़ियां भी विलंब से संचालित हुईं।

शादी में नोटों की किल्लत रस्में निभाना हुआ मुश्किल

नए नोटों से बैंक खाली, बाजार में मिलते हैं कमीशन पर

छोटे नोटों के लिए भटकते है लोग

यूनिक समय, मथुरा। जिले में चल रहे वैवाहिक सीजन के बीच एक नई समस्या ने शादी वाले घरों की चिंता बढ़ा दी है। छोटे नोटों की कमी अब बड़ी परेशानी बन गई है। 10, 20 और 50 रुपए के नए नोट आसानी से नहीं मिल रहे हैं। शादी की रस्मों-अगवानी, विदाई, भात और नेग-में इन नोटों का खास महत्व होता है, लेकिन अब लोग इन्हें जुटाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं।स्थिति यह है कि लोग कई-कई दिन से बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें जरूरत के अनुसार नए नोट नहीं मिल पा रहे। वहीं, कुछ लोग मजबूरी में बाजार से ज्यादा पैसे देकर नोट खरीद रहे हैं। खासकर 10 रुपए के नए नोट लगभग गायब हो चुके हैं। इससे शादी की तैयारियों में बाधा आ रही है और खर्च भी बढ़ रहा है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक ने चौथे दिन दम तोड़ा

आगरा ले जाते समय रास्ते में हुई थी मौत

यूनिक समय,मथुरा। महावन क्षेत्र में हुई बाइक दुर्घटना में चार दिन पूर्व घायल हुए युवक की अगरा ले जाने के दौरान मौत हो गई। आगरा में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना यमुनापार के ईसापुर पानी की टंकी लक्ष्मीनगर के रहने वाले युवक विष्णु (22) 14 अप्रैल को घर से बाइक पर अपने दोस्त के साथ महावन इलाके में गया था। बताया गया कि बरेली एक्सप्रेस वे पर उसकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों युवक घायल हो गए। मौके पर पहुंची महावन पुलिस ने घायलों को उसी रात जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया था। विष्णु के सिर में गंभीर चोट लगी थी। परिवार के लोगों को जब पता लगा तो अगले दिन उसे प्राइवेट हॉस्पिटल में ले गए। वहां लाभ न मिलने पर उसे केडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। केडी हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने 18 अप्रैल को विष्णु को आगरा ले जाने की सलाह दी। परिवार के लोग एम्बुलेंस से उसे आगरा ले गए। आगरा ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। आगरा पहुंचने पर हास्पिटल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोग उसे मथुरा ले आए पुलिस को भी इस बारे में बताया गया, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार के लोगों को सौंप दिया।

कल्याण करोति नेत्र चिकित्सा संस्थान में कृष्ण मंदिर का लोकार्पण

विधिवत हवन पूजा पाठ करते कल्याण करोति संस्थान के पदाधिकारी।

संत महेशानंद महाराज की अध्यक्षता में प्रतिमा का अनावरण किया गया

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन मथुरा मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सा संस्थान कल्याण करोति नेत्र चिकित्सा संस्थान में रविवार को भगवान श्री कृष्ण के भव्य मंदिर और आदि गुरु शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण विधि विधान और पूजा पाठ के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वेद पाठी ब्राह्मणों द्वारा मंत्र उच्चारण के बीच पूजा अर्चना के साथ हुआ। उमाकांत अग्रवाल और कल्याण करोति संस्थान के पदाधिकारी और अन्य गण मन लोगों ने पूजा अर्चना कर यज्ञ में भाग लिया। संत महेशानंद महाराज की अध्यक्षता में सभी गणमान्यों लोगों के द्वारा शंकराचार्य की पूजा अर्चना कर प्रतिमा का अनावरण किया गया। कल्याण करोति संस्था के सचिव सुनील शर्मा ने बताया कि विशाल नेत्र चिकित्सा संस्थान में भगवान के मंदिर का निर्माण ब्रज की सनातन संस्कृति को साथ लेकर चलने के साथ-साथ संस्थान में आने वाले नेत्र रोगियों के लिए भी एक ऊर्जा का स्तंभ साबित होगा।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

एजेंसी संचालक बल्देव में बुकिंग के 15 से 20 दिन में दे रहा है सिलेंडर

ब्लैक में बिक रहे कॉमर्शियल सिलेंडर, प्रशासन पर सवाल

यूनिक समय, बल्देव। कस्बा बल्देव के क्षेत्र में गैस की किल्लत रोजाना बढ़ती जा रही है। सिलेंडर लेने के लिए रोजाना गैस के गोदामों पर मारा मारी हो रही है। सिलेंडर की बुकिंग की पर्ची लेने के लिए सुबह आठ बजे से ही उपभोक्ता स्वाति गैस सर्विस के ऑफिस पर आ जाते हैं। वहीं बल्देव के व्यापारियों का बुरा हाल है, किसी दुकान स्वामियों को कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण ब्रज के होने वाले सुबह नास्ते की दुकानें बंद होने के कगार पर चल रहीं है। दुकानदारों के सामने रोजी रोटी का संकट आ रहा है, ये लोग ब्लैक में हॉकर से सिलेंडर खरीद कर अपना काम चला रहे हैं। वहीं

बलदेव गैस एजेंसी पर अपनी बारी का इंतजार करते हुए उपभोक्ता

गैस एजेंसी संचालक कॉमर्शियल सिलेंडरों को ब्लैक में बेच रहे हैं, जिन लोगों के यहां बेटियों की शादी है वह सिलेंडरों के लिए भटक रहे हैं, गैस का बल्देव क्षेत्र में बुरा हाल है, सिलेंडर की गाड़ियों का आने का कोई रुटीन नहीं है, चार से पांच दिन में एक गाड़ी आ रही है। गैस की कमी के चलते उपभोक्ताओं को पांच–पांच घंटे लाइन में लगकर गैस की पर्ची लेनी पड़ रही है। बांकेलाल,

कॉमर्शियल सिलेंडरों की हो रही है कालाबाजारी

हॉकर बेच रहे हैं कॉमर्शियल सिलेंडर तीन हजार रुपये में

मुरारी लाल, उमेश कुमार, गौरव पांडेय, ओमप्रकाश, राजेश कुमार, हरिओम ने बताया कि 15 दिन के बाद सिलेंडर मिल रहे हैं। वहीं गैस एजेंसी संचालक संजय धनगर ने बताया कि गैस की गाड़ियां पांच दिन में आ रही हैं।

श्री अक्रूरजी स्मृति भवन 8 .5 करोड़ की लागत से बनेगा

550 वर्ग गज में बनेगा श्री अक्रूरजी स्मृति भवन, दो साल में पूरा करने का लक्ष्य

यूनिक समय, वृंदावन। श्री अक्रूरजी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्री अक्रूरजी स्मृति भवन के 550 वर्ग गज में निर्माण के लिए नींव पूजन व शिलान्यास समारोह का आयोजन वात्सल्य ग्राम के सामने अक्रूर धाम रोड पर किया गया। नींव पूजन मुख्य अतिथि पूर्व मेयर अलीगढ़ आशुतोष वार्ष्णेय, चेयरमैन सासनी राजीव वार्ष्णेय और आरके गुप्ता ने आचार्य अभिनव शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोचारण से किया गया। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गुप्ता तूफान ने बताया कि श्री अक्रूरजी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भवन की रजिस्ट्री पहले हो चुकी है। भवन का मानचित्र मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत हो चुका है। भवन में अक्रूरजी भगवान की विशाल मूर्ति स्थापित की जाएगी। राष्ट्रीय

श्री अक्रूरजी स्मृति भवन के लिए भूमि पूजन करते चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी और अन्य।

महामंत्री नेमी चन्द वार्ष्णेय ने बताया कि अक्रूरजी भवन के निर्माण से सम्पूर्ण भारत के वार्ष्णेय समाज के लोग अपने मांगलिक व सामाजिक कार्यों को सुगमता से कर पाएंगे। जिसमें 44 एसी कमरे, रेस्टोरेंट, किचन और विशाल हॉल बनाया जायेगा। कोषाध्यक्ष मनोज कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि मंच से वरिष्ठ नागरिकों के लिए 11 लाख रुपये लागत का कमरा डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने बनाने की घोषणा की। पांच लाख रुपये की लागत से इस कमरे के लिए नन्नूमल गुप्ता, कपिल कुमार, एचएस वार्ष्णेय, ई. दिनेश वार्ष्णेय, राजेश्वरी अत्रि और चंद्रकला अत्रि ने घोषणा की। इस अवसर पर गिरीश गुप्ता, मनोज कुमार वार्ष्णेय, प्रेमचन्द वार्ष्णेय, ई. तपेंद्र कुमार गुप्ता, महेश वार्ष्णेय, योगेश कुमार वार्ष्णेय, कुंजबिहारी गुप्ता, मुनेश कुमार गुप्ता, भुवनेश कुमार वार्ष्णेय, अनिल कुमार वार्ष्णेय, जयकिशन गुप्ता, जेएम अत्री, एसके वार्ष्णेय, अनिता गुप्ता, मधु गुप्ता, वंदना गुप्ता, शारदा गुप्ता, डिंपल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पिसावा में झगड़ा करने वाले दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना के गांव पिसावा में कल ग्राम पंचायत की जमीन पर भूसे की बुर्जी बना कर कब्जा करने के मामले में दो पक्षों में जमकर लाठी- डंडे चलने पर एक पक्ष की दो युवतियों के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में पुलिस ने दूसरे पक्ष के दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस मामले में कन्हैया, रघुवर, गिरधारी, सुरेश सहित 11 लोगों के खिलाफ थाना बरसाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त कन्हैया और रघुवर को पिसावा गांव के जंगल से गिरफ्तार कर लिया।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार पुलिस ने क्लेंसी स्कूल को जाने वाले कच्चे रास्ते एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 310 ग्राम गांजा बरामद किया है। सदर बाजार पुलिस ने क्लेंसी स्कूल के लिए जाने वाले कच्चे रास्ते पर चेकिंग के दौरान वहां से गुजरते बाढ़पुरा के रहने वाले युवक देवेंद्र को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 310 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

विश्व धरोहर दिवस पर वीआरआई में व्याख्यान

सदीप्त व्याख्यान से जाना विद्यार्थियों ने धरोहरों का महत्त्व

विश्व धरोहर के अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता का सम्मान करते हुए।

यूनिक समय,वृन्दावन। वृंदावन शोध संस्थान एवं पुरातत्त्व विभाग उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय आगरा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर भारत के विश्व धरोहर स्मारक एवं स्थल विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ठा. बांकेबिहारी के चित्र पर दीप प्रज्जवलित मुख्य अतिथि जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि नई पीढी का वर्तमान में धरोहर के प्रति सजग रहना परम आवश्यक है। उन्होंने कहा भारत की संस्कृति बहुत समृद्ध है। श्रीकृष्ण की लीला भूमि होने के कारण ब्रजमण्डल का महत्त्व पुराने समय से रहा है। निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण के द्वारा धरोहर स्मारकों एवं विभिन्न स्थलों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने विश्व धरोहर दिवस के परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टि के महत्व को सविस्तार रेखांकित करते हुए महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एमएनआईटी के प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने कहा ब्रजभूमि में स्थापत्य कला के अद्वितीय उदाहरण दृष्टिगोचर होते हैं। शोध अधिकारी डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि धरोहर की परिभाषा बहुत ही व्यापक और वृहद है। इस मौके पर मुकेश कुमार, पंचबहादुर, जितेन्द्र कुमार रौतेला, ऋषिदेव सिंह, अमित कुमार, दिलीप कुमार, गोपालशरण शर्मा, सीमा शर्मा एवं चारू गौतम आदि मौजूद रहे। संचालन रेखारानी ने किया व आभार व्यक्त ब्रजभूषण चतुर्वेदी, रजत शुक्ला ने किया।

नया तरीका — सोमैटिक शेकिंग का बढ़ता ट्रेंड

शरीर के जरिए तनाव से राहत का नया तरीका

यूनिक समय, मथुरा। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव और भावनात्मक दबाव आम समस्या बनते जा रहे हैं। ऐसे में एक नया तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे 'सोमैटिक शेकिंग' कहा जाता है। यह तकनीक शरीर के माध्यम से भीतर छिपे तनाव और भावनाओं को बाहर निकालने पर आधारित है।

इस पद्धति में व्यक्ति अपने शरीर को हल्के–हल्के झटकता या कांपने देता है, जिससे दबी हुई भावनाएं धीरे–धीरे बाहर आने लगती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कई बार हम अपने दर्द या आघात को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते, लेकिन शरीर उन अनुभवों को संजोकर रखता है। ऐसे में जब शरीर को स्वतंत्र रूप से हिलने–डुलने दिया

जाता है, तो वह अनकही भावनाओं को व्यक्त करने लगता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारा शरीर सिर्फ एक जैविक संरचना नहीं, बल्कि हमारे अनुभवों का संग्रह भी है। जब हम किसी तनाव या डर से गुजरते हैं, तो शरीर 'फाइट या फ्लाइट' मोड में आ जाता है। यदि यह तनाव पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता, तो यह शरीर में जमा रह जाता है, जिसे 'स्टेगनेंट एनर्जी'

शरीर के जरिए तनाव निकालने की नई तकनीक बन रही लोकप्रिय

दबी भावनाओं को मुक्त करता है 'सोमैटिक शेकिंग' अभ्यास

कहा जाता है।

सोमैटिक थेरेपी में यह प्रक्रिया प्रशिक्षित विशेषज्ञ की निगरानी में करना अधिक सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इस दौरान व्यक्ति गहरी भावनाओं का अनुभव कर सकता है। कई बार यह प्रक्रिया 'चलते–फिरते ध्यान' की तरह काम करती है, जिसमें 5–10 मिनट तक शरीर को झटकने के बाद व्यक्ति गहरी शांति महसूस करता है।

यह पद्धति पारंपरिक 'टॉक थेरेपी' से अलग है, जिसमें केवल बातचीत के जरिए समस्या सुलझाने की कोशिश की जाती है। इसमें शरीर के संकेतों पर ध्यान दिया जाता है, जैसे सीने में भारीपन, मांसपेशियों में तनाव या मुट्ठियों का कसाव। इन संकेतों के जरिए शरीर में फंसी नकारात्मक ऊर्जा को पहचानकर बाहर निकालने की कोशिश की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक योग, ब्रीदिंग अभ्यास और अन्य शारीरिक गतिविधियों के साथ मिलकर मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है।

बीमा कंपनी की लापरवाही से किसानों में रोष

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के छाता विधानसभा क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों में बीमा कंपनी की कार्यशैली को लेकर गहरा रोष व्याप्त है। किसानों का आरोप है कि एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस फसल बीमा दावों के निस्तारण में लापरवाही बरत रही है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों के अनुसार फसल बर्बाद होने के बाद भी कंपनी के प्रतिनिधि समय पर खेतों का सर्वे करने नहीं पहुंचे। कई स्थानों पर बिना मौके का निरीक्षण किए ही तहसील स्तर पर रिपोर्ट तैयार कर ली गई, जिससे वास्तविक नुकसान का आकलन नहीं हो सका। किसानों ने बीमा कंपनी और राजस्व कर्मियों पर मिलीभगत कर फर्जी रिपोर्ट तैयार करने का भी आरोप

सोमवार को जिलाधिकारी से करेंगे शिकायत

लगाया है। इसके अलावा किसानों का कहना है कि शिकायत करने पर भी उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। सहायता केंद्र और अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। किसान नेता भगवत स्वरूप पांडे के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को सुबह 10 बजे जिलाधिकारी मथुरा से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपकर बीमा कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे।

परशुराम जन्मोत्सव पर ब्राह्मण समाज का एकता प्रदर्शन

भगवान परशुराम का अभिषेक करते हुए ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री बंशीलाल शर्मा एवं विप्रजन।

भगवान परशुराम की जयंती पर महिला को सम्मानित करते विधायक श्रीकांत शर्मा और गणमान्य लोग।

लक्ष्मी दास हॉल में धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

70 विप्रजनों का हुआ सम्मान

भगवान परशुराम की जयंती पर 151 प्रबुद्ध विप्र और महिलाएं सम्मानित

देवनगर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान पंजीकृत द्वारा भगवान परशुराम का पांच दिवसीय प्रादुर्भाव दिवस विभिन्न संस्कृत कार्यक्रमों मेहंदी, चित्रकला, निबंध, रंगोली, प्रतियोगिता जिले के विभिन्न स्कूलों में कराकर बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में आज प्रधान कार्यालय बाटी वाली कुंज लाल दरवाजा पर कार्यक्रम की गरमामई वेला पर अष्ट चिरंजीवियों में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाले भगवान परशुराम का जन्म महोत्सव 19 अप्रैल रविवार को मनाया गया।

भार्गव अर्चन दीपिका स्कंद पुराण एवं भविष्य पुराण के अनुसार वैशाख मास शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को भगवान परशुराम अवतरित हुए थे जो आज भी विद्यमान है उनकी जन्म पत्रिका में छह ग्रह उच्च राशि में थे आज कार्यक्रम में मथुरा-वृंदावन के विधायक श्रीकांत शर्मा, कृष्ण कुमार मुन्ना भैया, डॉक्टर देवेंद्र शर्मा, पंडित सोहनलाल शर्मा, केके गौतम, नारायण प्रसाद शर्मा, डॉ. सुरेंद्र शर्मा चेतन स्वरूप पाराशर घनश्याम हरियाणा सहित शहर के अनेक गणमान्य विप्रो सहित सैकड़ों की संख्या में विप्रो ने भाग लिया, जिसमें संस्था द्वारा समाज के 151 विप्रों को भगवान परशुराम की छवि भेंट कर सम्मानित किया गया। ब्राह्मण समाज की एकमात्र पत्रिका ब्रह्म भारती का भी उपस्थित गणमान्य नागरिकों द्वारा विमोचन किया गया। सभी विप्रों ने उनकी पूजा अर्चना कर विश्व कल्याण के साथ–साथ सभी विप्रों की दीर्घायु की कामना की गई, सभी ने एक स्वर में विप्र एकता की बात कही उत्तर प्रदेश में विप्र आयोग के गठन की मांग की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दिवाकर आचार्य, मुदिता शर्मा, केसी गौड़ एडवोकेट, योगेश आवा, महेंद्र दत्त आचार्य, प्रदीप गोस्वामी, सर्वेश शर्मा, एडवोकेट बिहारी लाल तिवारी, बिहारी लाल गोस्वामी, महेश चंद शुक्ला, डॉक्टर विनोद शर्मा आदि शामिल रहे।

रविवार को लक्ष्मी दास हॉल, गांधी पार्क चौक बाजार में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा वैदिक रीति–रिवाज एवं मंत्रोच्चारण के बीच भगवान परशुराम का अभिषेक दूध, दही, शहद, घी, बूरा, केसर, चंदन तथा गंगा–यमुना के जल से किया गया। अभिषेक के उपरांत भगवान परशुराम को सुंदर वस्त्र धारण कराकर सुसज्जित फूल बंगले में विराजमान किया गया। इसके बाद सत्तू, तरबूज, खरबूजा, जलेबी, कचौड़ी और मिल्क रोज सहित विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। अभिषेक के पश्चात विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें वक्ताओं ने समाज में एकता और परशुराम के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि सभी लोग आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर समाजहित में कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान पंडित रामगोपाल शर्मा ने 70 विप्रजनों को मनोनयन पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि तीन मई को निकलने वाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा भव्य और आकर्षक होगी, जिसमें सुंदर झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। महामंत्री बंसीलाल शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि शोभायात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर मनोज शर्मा, गजेंद्र शर्मा,ओपी उपाध्याय, अखिलेश गौड़, चंद्र प्रकाश, गौरी शंकर शर्मा, आशुतोष भारद्वाज, अनुराग पाठक, गौरव शर्मा, राकेश गौड़, ललित स्वामी, प्रेम बिहारीलाल शास्त्री, मुकेश शास्त्री, विनोद दीक्षित, सागर शर्मा, आकाश शर्मा, मुरलीधर शर्मा, महिला समिति की जिला अध्यक्ष भावना शर्मा, गुंजन शर्मा, रुचि द्विवेदी, संगीता सारस्वत, सीमा शर्मा, शालिनी शर्मा, कीर्ति शर्मा, मोहिनी आचार्य, रजनी शर्मा, छाया गौतम आदि मौजूद रहे। संचालन मोनू, गौरव कांत शर्मा ने किया। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में रविवार को देवनगर स्थित हरिहर धाम पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मुख्य विकास अधिकारी राधेश्याम गौतम एवं जिलाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। श्री गौतम ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे भगवान विष्णु के छठे अवतार थे। उनके पिता महर्षि जमदग्नि एवं माता रेणुका थीं। उन्होंने बताया कि भगवान शिव ने प्रसन्न होकर उन्हें फरसा (परशु) प्रदान किया था, जिसके कारण वे परशुधारी महर्षि परशुराम के नाम से विख्यात हुए। कार्यक्रम में तिलक राज गौतम, हरिओम गौतम, भगवत स्वरूप शर्मा, कुशलपाल शर्मा, रमाकांत, देवेंद्र शर्मा, विनीत, विशाल पचौरी, केके गौतम, जितेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धर्मदत्त गौतम ने किया।

उठावनी

स्व. श्री शरद अग्रवाल

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय श्री शरद अग्रवाल (पुत्र स्व. श्री देवीदास सर्राफ DSK) का आकस्मिक निधन दि० 19.04.2026 दिन रविवार को हो गया है। उठावनी आज दि० 20.04.2026 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सांय 4 से 5 बजे तक चम्पा अग्रवाल बाल मन्दिर डैम्पियर नगर, मथुरा पर होगी।

-: शोकाकुल :-

श्रीमती संध्या अग्रवाल (धर्मपत्नी)
सजल अग्रवाल - पल्लवी, नैतिक अग्रवाल (पुत्र-पुत्रवधू)
संजीव अग्रवाल-रंजना अग्रवाल (अनुज भ्राता-भ्रातावधु)
पार्थ, केशवी (भतीजा-भतीजी)
सुनीता-अशोक बाबू (सूरत)
ममता-सजंय बाबू (ब्यावर)
बविता-विष्णु बाबू (किशनगढ़)
सीता-राधेलालजी (अहमदाबाद)
(बहन-बहनोई)
अशोक कुमार
विनोद कुमार (गुडडा)
गोपालदास (चाचाजी)
मयंक-शैली, राहुल-रीया
रितिक, मोहित (भांजा-भांजावधु)
मिताली-अंकितबावू (ग्वालियर)
शिखा-आदित्य बाबू (भीलवाडा)
(भांजी-भांजीदामाद)

-:फर्म:-
★ में देवीदास शरद कुमार सर्राफ (DSK) गुडहाई चौक बाजार, मथुरा।

ससुराल पक्ष- रमेश चन्द्र (ससुर) बोबी, शीलू, संदीप (सालेगण) हाथरस।

उठावनी

स्व. श्रीमती कुसुम अग्रवाल

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है हमारी पूज्यनीय माता जी कुसुम अग्रवाल (पत्नी स्व. गोपालदास मशीन वाले) का गोलोकवास दिनांक 19.4.26 दिन रविवार को हो गया है जिनकी आज उठावनी दिनांक 20.4.26 सोमवार को महिलाओं/पुरूषों की चम्पा अग्रवाल बाल मन्दिर डैम्पियर नगर, दोपहर 1 से 2 बजे मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

चंद्रभान-गीता-स्व.कालीचरन-कुसुम (देवर देवरानी)
स्व.अजय-नीरु, अतुल-राज रानी
अभय-नीरु, दीपक (भतीजे-भतीजेवधु)
मनोज-रीना, स्व. राहुल-सोनिया
आशु-तनु, शिवांग-अर्पिता (धेवते-धेवतवधु)
खुशबु-कपिल (पौत्री-पौत्रीदामाद)
राजेश-सुनीता, विकास-विनीता (पुत्र-पुत्रवध)
नीरा-नरेश,स्व.सुमन-महेश
साधना-महेश (पुत्री-दामाद)
अंकित-शिवांगी, शुभम-प्रार्थना
रजत (पौत्र-पौत्रवधु)
लक्ष्य, तनय चहक, पंखुडी
रोशनी, चैतन्य (प्रपौत्र-प्रपौत्री)

फर्मः
• अग्रवाल सुईंग मशीन कंपनी, आर्य समाज रोड़ (9219298340)
• सिंगार सिलाई मशीन, गली पीरपंच छत्ता बाजार (9084653038)
• लक्ष्य ट्रेडर्स निवास स्थानः- पातीराम कॉलोनी सौख रोड मथुरा
• के.सी गिलट ओर्नामेंट • कॉफ्षि पोशाक

मायका पक्ष :काशीनाथ मशीन वाले (भाई) आशीष, विशाल, (भतीजे)
फर्म- विशाल एंड कंपनी, दिलीप कुमार, प्रदीप कुमार (भतीजे) फर्म- ब्रजवासी पोशाक

धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

माथुर चतुर्वेदी परिषद के द्वारा भगवान श्री परशुराम जयंती पर माल्यार्पण करते हुए ।

यूनिक समय, मथुरा। माथुर चतुर्वेद परिषद के तत्वावधान में आज विश्राम घाट पर भगवान श्री परशुराम की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्जवलित व माल्यापर्ण कर मुख्य अथिति परिषद के मुख्य संरक्षक एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने किया। श्री पाठक ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने की शपथ ली। इस मौके पर राकेश तिवारी (एडवोकेट), संजय चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी, श्याम, मोनू चतुर्वेदी, सौरभ पंडित, राजेंद्र मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी युवजन सभा महानगर ने धूमधाम से मनाई परशुराम जयंती

भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सपा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी युवजन सभा महानगर मथुरा के द्वारा भगवान परशुराम जयंती के शुभ अवसर पर हरी निकुंज चौराहे स्थित भगवान परशुराम जी की जयंती मनाई गई। समाजवादी युवजन सभा के पदाधिकारी ने भगवान परशुराम जी पर दुपट्टा माल्यार्पण करते हुए आशीर्वाद लिया। महानगर अध्यक्ष युवराज सभा के अंकित वार्ष्णेय ने कहा कि भगवान परशुराम जी धर्म और सत्य के प्रतीक थे भगवान परशुराम किसी जाति के विरोधी नहीं बल्कि अन्याय अत्याचार और अहंकार के विरोधी थे। प्रदेश सचिव अशोक कुमार भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सपा के पदाधिकारी। ने कहा कि भीष्म, द्रोण और कर्ण को शिक्षा देकर उन्होंने समरसता और निष्पक्षता का संदेश दिया। इतना ही नहीं, भगवान परशुराम ने भगवान श्रीराम को नारायण धनुष और भगवान श्रीकृष्ण को सारंग धनुष भेंट कर उनका सम्मान किया। इस मौके पर अनिल शर्मा, विजय शर्मा उर्फ बबलू, शिव चटर्जी, दीपक सक्सेना, धर्म गोस्वामी आदि लोग मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

नई समिति के चुनाव का गठन भी किया गया

यूनिक समय, नौहझील। कस्बा नौहझील मे अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर भगवान परशुराम मंदिर रेतिया गली नौहझील पर विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें ब्राह्मण समाज के साथ–साथ अन्य समाज के लोगों ने भी बढ़–चढ़कर पूजा अर्चना की इसी क्रम में नई समिति के चुनाव का गठन भी किया गया। 10 मई को भगवान परशुराम का डोला कस्बा नौहझील भव्यता के साथ निकाला जाएगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कहा कि विष्णु भगवान के छठवे अवतार भगवान श्री परशुराम की शोभा यात्रा कस्बा नौहझील मे बड़ी धूमधाम से निकली जायेगी। अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, उपाध्यक्ष विनोद प्रधान, महामंत्री राजेंद्र नम्बरदार, मीडिया प्रभारी सन्तोष भारद्वाज, कोषाध्यक्ष रमन

बिहारी भारद्वाज, विजय पाठक सहमंत्री जवाहर कटारा, ओमप्रकाश पाठक, सगठन मंत्री महेश पिरोहित मंत्री उमाकांत कटारा ओंडीटर मास्टर धर्मपाल पाठक मंत्री अजय पाठक सीटू,पाठक भारत पाठक रोहित पाठक रामू पाठक नितिन पाठक, प्रवीन कटारा,मनोज पाठक, बांके बिहारी पाठक जेकम पाठक गोपेश पाठक संतोष कटारा मांगे पाठक सहित सैकड़ों ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

गर्मियों में भिंडी : स्वाद, सेहत और ठंडक का सही मेल!

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी के मौसम में ठंडक और ताजगी की तलाश हर किसी को रहती है। ऐसे में भिंडी एक बेहतरीन विकल्प साबित होती है। यह हरी और लंबी सब्जी न केवल स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। फाइबर, विटामिन ए, सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण यह गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाती है और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है।

भिंडी में उच्च मात्रा में फाइबर, विटामिन ए और सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम, और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इसे एक संपूर्ण आहार बनाते हैं। विटामिन सी शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाता है और संक्रमण से बचाता है। वहीं, फाइबर पाचन तंत्र को सही बनाए रखता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

भिंडी का सेवन पाचन में सुधार करता है, क्योंकि इसमें घुलनशील फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को सुधारता है और पेट की समस्याओं से राहत दिलाता है। यह कब्ज और गैस को भी कम करता है। भिंडी का नियमित सेवन शरीर के इम्युन सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे आप अधिकतर बीमारियों से बच सकते हैं। भिंडी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, इस तरह यह हृदय के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। इसके अलावा, भिंडी में मौजूद ग्लाइसेमिक तत्व रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं, जिससे यह डायबिटीज के रोगियों के लिए लाभकारी है।

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक की आवश्यकता होती है, और भिंडी की तासीर ठंडी होती है। यह शरीर को ठंडा रखती है और गर्मी से होने वाले दुष्प्रभावों को कम करती है। इसके अलावा, भिंडी का पानी शरीर को हाइड्रेटेड रखने में भी सहायक होता है।

भिंडी का सेवन आप विभिन्न तरीकों से कर सकते हैं - भिंडी की सब्जी, फ्राई, सूप या अचार के रूप में। यह आसानी से हर घर की रसोई में मिल जाती है और सस्ती होने के साथ–साथ पौष्टिक भी है।

गर्मी में भिंडी का सेवन सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। इसके पोषक तत्व शरीर को ठंडक, ऊर्जा और सेहत का पूरा ध्यान रखते हैं। आप भी इसे अपने आहार में शामिल करें और गर्मियों में सेहतमंद रहें।

घर पर सिर्फ 30 मिनट में बनाएं टेस्टी और हेल्दी मैंगो जैम

आरती अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। आम का मौसम आते ही सभी जगह आम के स्वादिष्ट व्यंजन बनने लगते हैं। कुल्फी, कस्टर्ड और आम पना की रेसिपी तो सभी बना रहे हैं, लेकिन क्या आपने कभी घर पर आम का जैम बनाया है? यह न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसे आप बिना किसी प्रिजर्वेटिव के तैयार कर सकते हैं। घर पर आम का जैम बनाना बेहद आसान है, और इसके लिए आपको सिर्फ तीन चीज़ों की जरूरत पड़ेगी। जानिए कैसे घर पर टेस्टी और हेल्दी मैंगो जैम बना सकते हैं।

मैंगो जैम बनाने के लिए सामग्रीः 500 ग्राम पके हुए आम, 300 ग्राम चीनी, 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस।

मैंगो जैम बनाने की विधिः सबसे पहले आम को अच्छे से छीलकर उसका पल्प निकाल लें। जैम बनाने के लिए ऐसा आम चुनें जिसमें कम रेशा हो और पल्प ज्यादा हो, जैसे सफेदा या हापुस आम। इस पल्प को मिक्सर में डालकर एक स्मूद प्यूरी बना लें। इससे आम के टुकड़े बिल्कुल नहीं रहेंगे और जैम की कंसिस्टेंसी स्मूद होगी।

अब 500 ग्राम आम से बनी प्यूरी को एक कड़ाही में डालें। इसमें 300 ग्राम चीनी डालकर अच्छे से मिक्स करें। गैस पर इसे मीडियम आंच पर उबालने के लिए रखें और बीच–बीच में मिक्स करते रहें। 5–7 मिनट बाद इसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें, जिससे जैम की शैल्फ लाइफ बढ़ेगी और स्वाद में भी चार चांद लगेंगे।

5–7 मिनट के बाद जब आम और चीनी अच्छे से मिक्स हो जाएं और प्यूरी का रंग हल्का ट्रांसपेरेंट होने लगे, तो इसका मतलब जैम पकने के करीब है। आप देखेंगे कि प्यूरी में बुलबुले बनते हैं, जिनसे बचने के लिए कड़ाही को ढक सकते हैं, लेकिन ढक्कन पूरी तरह से बंद नहीं करें।

जब जैम की कंसिस्टेंसी थोड़ी पतली रह जाए, तो गैस बंद कर दें। ध्यान रखें कि जैम ठंडा होने के बाद और गाढ़ा हो जाता है, तो प्यूरी को गाढ़ा होने पर ही गैस बंद करें। जैम को स्टोर करने के लिए कांच के जार का उपयोग करें और उसे पहले अच्छे से स्टरलाइज करें। इसके लिए जार और ढक्कन को उबलते पानी में डालकर अच्छी तरह से धो लें और सूखा लें।

इसके बाद उसमें जैम भरें। इससे जैम 2–3 महीने तक खराब नहीं होगा। बस, अब आपका स्वादिष्ट और होममेड मैंगो जैम तैयार है। इसे आप ब्रेड, रोटी या बिस्किट्स के साथ खा सकते हैं। इस जैम को आप दूसरी रेसिपी में भी ट्राई कर सकते हैं। और याद रखें, यह जैम न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि आपको घर पर बना जैम खाने में प्रिजर्वेटिव्स से बचने का भी मौका मिलता है।

गैस एसिडिटी के लिए आटे में मिलाएं ये तीन चीजें, खाते ही मिल जाएगा छुटकारा

यूनिक समय, मथुरा। कुछ भी खाते ही गैस एसिडिटी से पेट फूलने लगता है तो रोटी बनाते वक्त आटे में ये तीन चीजें जरूर मिला लें। इससे खाना आसानी से पच जाएगा और स्वाद भी बढ़ जाएगा।

कुछ लोगों को गैस और एसिडिटी की समस्या काफी ज्यादा होती है। जरा सा ज्यादा खाने से गैस हो जाती है। भूखे रहने पर एसिडिटी परेशान करती है। कई बार ज्यादा तला भुना और स्पाइसी खाने से गैस एसिडिटी होने लगती है। अगर आपको भी ऐसी समस्या रहती है तो खाना बनाते वक्त रोटी के आटे में कुछ खास चीजें मिला लें। रसोई में ऐसी कई चीजें मौजूद होती हैं जिनका इस्तेमाल करने से गैस एसिडिटी से छुटकारा मिल सकता है। जानिए इसके लिए आपको क्या करना होगा?

आटे में क्या मिलाकर रोटी बनाएं जिससे गैस न हो : गैस की समस्या से छुटकारा पाना है तो आटे में 1 चम्मच पिसी अजवाइन, एक चम्मच पिसा जीरा, एक चम्मच पिसी सौंफ तीनों चीजों को मिक्स कर लें। अब सॉफ्ट रोटियां आटा गूंथ लें और इससे सॉफ्ट रोटियां बनाकर खाएं। इस रोटी को खाने से गैस एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। आपको खाने के बाद होने वाली अपच से भी राहत मिलेगी। ब्लोटिंग की समस्या भी दूर हो जाएगी।

गैस की समस्या कैसे दूर करें : सिर्फ गेहूं की रोटी खाने की बजाय आपको हाई फाइबर रोटियां डाइट में शामिल करनी चाहिए।

इसके लिए आटे में थोड़ा ओट्स मिला लें और फिर उस आटे की रोटियां बनाकर खाएं। ओट्स का सेवन करने से गैस की समस्या कम होगी। ये रोटियां कहीं ज्यादा पौष्टिक और पाचक बन जाएंगी।

रोटी में मिला दें पिसी मेथी : जिन लोगों को बहुत ज्यादा गैस होती है उन्हें आटा गूंथते वक्त एक चम्मच पिसी हुई मेथी मिलाकर आटा गूंथना चाहिए। इस तरह बनी रोटी को खाने से गैस एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिलेगा और वजन भी कम होने लगेगा। मेथी का सेवन करने से जोड़ों के दर्द में भी आराम मिलेगा। इस रोटी को खाने से डायबिटीज के मरीज को फायदा मिलेगा। मेथी शरीर में बढ़ रहे ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में असरदार साबित होती है।

वर्कला : मानसून में केरल का छिपा हुआ स्वर्ग, बीच और शांति का लुत्फ उठाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप मानसून में एक शांत और बजट फ्रेंडली यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो केरल का वर्कला एक आदर्श जगह हो सकती है। यह स्थान उन लोगों के लिए एक बेहतरीन गंतव्य है जो प्राकृतिक सुंदरता, शांति और कम खर्च में एक अविस्मरणीय अनुभव की तलाश में हैं। वर्कला, तिरुवनंतपुरम से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित एक छोटा सा, लेकिन बेहद खूबसूरत समुद्र तट है, जो गोवा या अन्य प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से कम भीड़–भाड़ और अधिक सुकून प्रदान करता है।

वर्कला की विशेषताएंः वर्कला का प्रमुख आकर्षण है उसका अद्वितीय समुद्र तट और ऊंची चट्टानें (क्लिफ्स)। यह भारत का एकमात्र समुद्र तट है, जहां समुद्र के किनारे चट्टानें स्थित हैं, जो इस जगह को और भी खास बनाती हैं। यहां से समुद्र की लहरों को देखना, विशेष रूप से सूर्यास्त के समय, एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला अनुभव होता है। इस जगह का शांत माहौल, सुंदर वातावरण और कम भीड़ इसे मानसून में छुट्टियां मनाने के लिए एक बेहतरीन जगह बनाता है। वर्कला का समुद्र तट सफाई और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है, लेकिन मानसून में यहां की लहरें तेज हो जाती हैं, इसलिए तैराकी से बचें। फिर भी आप चट्टानों पर बैठकर समुद्र की लहरों और बारिश की बूंदों का आनंद ले सकते हैं। यहां के अन्य प्रमुख आकर्षणों में जनार्दन स्वामी मंदिर और सिवागिरी मठ शामिल हैं। जनार्दन स्वामी मंदिर लगभग 2000 साल पुराना है और एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। सिवागिरी मठ में श्री नारायण गुरु की समाधि है, जो हर साल हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। इसके अलावा, वर्कला में आयुर्वेदिक उपचार और योग रिट्रीट्स की भी सुविधा है, जो आपकी मानसिक और शारीरिक शांति के लिए एक उत्तम विकल्प हो सकती है।

वर्कला में ठहरने का विकल्पः वर्कला में आपको हर बजट के लिए ठहरने के विकल्प मिल जाएंगे। यहां गेस्टहाउस और होमस्टे 500 से 1000 रुपये प्रति व्यक्ति की कीमत पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, बीच साइड पर कई कैफे हैं, जहां आप स्वादिष्ट और सस्ते खाने का आनंद ले सकते हैं। यह जगह बजट ट्रैवलर्स के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, जो एक ही जगह में शांति, प्रकृति और सुंदरता का लुत्फ लेना चाहते हैं। तो यदि आप इस मानसून में एक शांतिपूर्ण और किफायती यात्रा की तलाश में हैं, तो वर्कला आपका परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है।

सुविचार

जीवन का नजरिया
जिंदगी का सफर मानो तो मौज है, वरना समस्या तो रोज है। खुशी संयोग से नहीं, बल्कि हमारे चुनाव और सकारात्मक सोच से मिलती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी	07:27-04:15 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	रोहिणी	04:35- 02:08 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:54 AM	चन्द्रोदय	07:40 AM
सूर्यास्त		6:42 PM	चंद्रास्त	10:20 PM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	11:52AM -12:43 PM		ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:30 PM: 09:06 PM		वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

हिन्दू धर्म में होते हैं कितने प्रकार के विवाह

कौन से शुभ और कौन से वर्जित!

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनातन धर्म में विवाह केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि 16 प्रमुख संस्कारों में से एक है। विवाह का उद्देश्य न केवल वैवाहिक संबंध बनाना है, बल्कि धर्म, अर्थ और संतान की प्राप्ति के लिए एक पवित्र जिम्मेदारी निभाना भी है। महाभारत में कुल आठ प्रकार के विवाहों का वर्णन मिलता है, जिनमें से कुछ को शुभ और स्वीकार्य माना गया है, जबकि कुछ को वर्जित और तिरस्कृत।

ब्रह्म विवाह: यह सबसे श्रेष्ठ विवाह माना गया है। इसमें कन्या का विवाह एक योग्य, विद्वान और चरित्रवान वर से बिना किसी लेन–देन के किया जाता है। इसे आदर्श विवाह रूप में स्वीकार किया गया है।

दैव विवाह: यह तब होता है जब कन्या को धार्मिक अनुष्ठानों में यज्ञ के दौरान ऋत्विज (यज्ञकर्ता) को दान स्वरूप दिया जाता है। इसे भी एक श्रेष्ठ विवाह की श्रेणी में रखा गया है।

आर्श विवाह: इसमें वर वधू के पिता को गाय–बैल जैसी साधारण वस्तुएँ देकर कन्या से विवाह करता है। इसे सरल जीवन और तपस्वी सोच से जोड़ा गया है।

प्रजापत्य विवाह: यह सामाजिक दायित्व और संतानोत्पत्ति की भावना से किया गया विवाह है, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से विवाह होता है।

गंधर्व विवाह: लड़का और लड़की की आपसी सहमति से किया गया प्रेम विवाह। इसे समाज में कम मान्यता प्राप्त थी, पर क्षत्रिय वर्ग में यह स्वीकार्य था। उदाहरणस्वरूप, दुष्यंत–शकुंतला विवाह।

असुर विवाह: इसमें वर कन्या के परिवार को धन देकर विवाह करता है। यह विवाह आर्थिक लेन–देन पर आधारित होता है और इसे नीच स्तर का माना गया है।

राक्षस विवाह: युद्ध, बल प्रयोग या अपहरण द्वारा किया गया विवाह। इसे क्षत्रियों तक सीमित किया गया था, पर यह भी निंदनीय माना गया है।

पिशाच विवाह: छल, नशा या बलात्कारी प्रवृत्ति से किया गया विवाह। यह सर्वथा निषिद्ध और अधर्म माना गया है।

हिंदू धर्म में ब्रह्म, दैव, आर्श और प्रजापत्य विवाह को उत्तम व सामाजिक रूप से स्वीकार्य माना गया है, जबकि राक्षस और पिशाच विवाह को पूरी तरह वर्जित और अनैतिक घोषित किया गया है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष : कल का दिन मित्रों के साथ आनंद और उत्साह से भरा रह सकता है। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है।

वृषभ: कल आपको परिवार, विशेषकर संतान की ओर से संतोषजनक समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपका प्रभाव बढ़ेगा।

मिथुन : स्वास्थ्य के मामले में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। पेट संबंधी समस्याएं या हल्की बीमारी परेशान कर सकती है। खानपान संतुलित रखें और आराम को प्राथमिकता दें।

कर्क : कल धन से जुड़े मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। किसी को उधार देने से पहले सोच–विचार करें। रिश्तों में मधुरता बनाए रखें और भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें।

सिंह : करियर के लिहाज से आज का दिन सकारात्मक रह सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा और नए अवसर सामने आएंगे।

कन्या : मानसिक शांति बनाए रखना आज जरूरी रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन धैर्य और संयम से आप सभी कार्य पूरे कर पाएंगे। ध्यान और योग से लाभ मिलेगा।

तुला : निवेश के मामलों में सतर्क रहें और जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। शेयर बाजार से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। आर्थिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

वृश्चिक : कल आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत महसूस करेंगे। रुके हुए कार्यों में प्रगति के योग बन रहे हैं।

धनु : नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और पदोन्नति के संकेत हैं। आपके प्रयासों की सराहना हो सकती है।

मकर : आर्थिक समस्याओं में राहत मिलने की संभावना है। पुराने अटके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। वित्तीय स्थिति धीरे–धीरे मजबूत होगी।

कुंभ : दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखने की आवश्यकता है। किसी बात को लेकर तनाव हो सकता है, इसलिए संवाद और समझदारी से काम लें।

मीन : आज सावधानी बरतने का दिन है। किसी कीमती वस्तु के खोने या नुकसान होने की आशंका है। सतर्क रहें और अपने सामान का ध्यान रखें।

चांदी का छल्ला बदल सकता है आपकी किस्मत!

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में चांदी को बेहद शुभ धातु माना गया है। खासतौर पर चांदी का छोटा सा छल्ला पहनना कुछ राशियों के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। ज्योतिषाचार्य पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, चांदी का छल्ला पहनने से शुक्र और चंद्रमा ग्रह की ताकत बढ़ती है, जिससे मानसिक शांति, सुख–सुविधाएं और आकर्षक व्यक्तित्व प्राप्त होता है।

कर्क, वृश्चिक, मीन, वृषभ और तुला राशि के जातकों के लिए यह उपाय बेहद शुभ माना गया है। चांदी का छल्ला पहनने से धन लाभ, पारिवारिक शांति, और रुके हुए कामों में सफलता मिल सकती है। यह उपाय न सिर्फ आर्थिक दृष्टि से लाभ देता है, बल्कि मानसिक उलझनों को भी कम करता है।

मेष, सिंह और धनु राशि के लोगों को चांदी का छल्ला पहनने से बचना चाहिए। इनके लिए यह धातु विपरीत प्रभाव डाल सकती है, जिससे स्वास्थ्य और कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं।

चांदी का छल्ला बिना जोड़ के बनवाना चाहिए और अंगूठे में पहनना सर्वोत्तम होता है। पुरुष इसे सीधे हाथ में और महिलाएं उल्टे हाथ में पहनें। सोमवार या शुक्रवार को इसका धारण शुभ माना गया है, जबकि शनिवार को इससे बचना चाहिए।

छोटा सा ये उपाय आपकी किस्मत में बड़ा बदलाव ला सकता है–बशर्ते सही राशि और सही विधि से अपनाया जाए।

वास्तु टिप्स

ऑफिस में बैठते समय व्यक्ति का मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए जिससे कार्यक्षमता और निर्णय शक्ति में वृद्धि हो। तिजोरी को दक्षिण दिशा की दीवार से लगाकर इस तरह रखें कि उसका दरवाजा उत्तर दिशा की ओर खुले। दुकान या ऑफिस का प्रवेश द्वार उत्तर–पूर्व या उत्तर दिशा में होना लाभदायक होता है। व्यवसायिक स्थल पर एक छोटा मंदिर उत्तर–पूर्व दिशा में होना शुभ फलदायक होता है। घर के उत्तर–पूर्व भाग में तुलसी का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। घर की नियमित सफ़ाई करें और पुराने, टूटे–फूटे या बेकार सामान को तुरंत हटा दें, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करता है। दीवारों पर हल्के और शांत रंगों का प्रयोग करें और मुख्य द्वार पर शुभ–लाभ, स्वास्तिक या ॐ का चिन्ह लगाएं जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहे।

नौतपा : 25 मई से शुरू होगा सूर्य का रौद्र रूप

यूनिक समय, नई दिल्ली। नौतपा का समय हर साल गर्मियों के मौसम में आता है, जब सूर्य अपनी पूरी ताकत से धरती पर अपनी तपिश फैलाता है। इस बार नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है, जो 2 जून 2026 तक रहेगा। यह वह समय है जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा और तपिश का स्तर चरम पर होगा। ऐसे में यह नौ दिन सिर्फ मौसम के बदलाव का संकेत नहीं, बल्कि एक आत्मचिंतन और संयम का समय भी होते हैं।

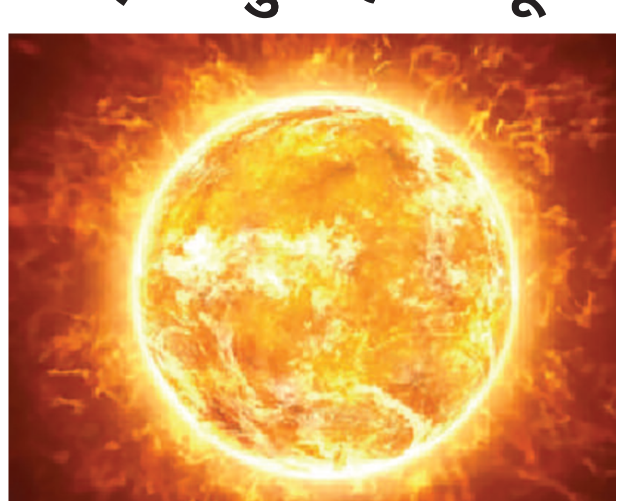

इन नौ दिनों में क्या करें और क्या नहीं

सूरज को जल अर्पित करें: प्रतिदिन सूर्योदय के समय सूरज को जल अर्पित करने से शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यह शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

धार्मिक पाठ करें: नौतपा के दिनों में 'आदित्य हृदय स्तोत्र' का पाठ मानसिक शांति और स्थिरता लाता है। यह सूरज के रौद्र रूप को शांत करने का एक प्रभावी तरीका है।

दान करें: इस समय किसी जरूरतमंद को पानी, फल या छाछ जैसे दान देना पुण्य और आंतरिक संतोष का कारण बनता है।

नौतपा के दौरान क्या नहीं करें?

घर से बाहर न निकलें: इन दिनों में सूरज की तपिश अत्यधिक बढ़ जाती है, विशेषकर दोपहर के समय बाहर निकलने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। बच्चों और बुजुर्गों को इस समय घर से बाहर जाने से बचना चाहिए।

मांगलिक कार्यों से बचें: नौतपा के दौरान शादी, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों से बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि इस समय ऊर्जा असंतुलित हो सकती है। नौतपा केवल मौसम का परिवर्तन नहीं है, यह एक समय है जब व्यक्ति को आत्मचिंतन करने और प्रकृति से जुड़ने का अवसर मिलता है। यह समय सिखाता है कि जीवन में धैर्य, अनुशासन और संयम के साथ कैसे आगे बढ़ा जाए।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

बदलते खतरे, नई रणनीति से मजबूत आंतरिक सुरक्षा

भारत की आंतरिक सुरक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और यह बदलाव केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहा। पहले जहां घुसपैठ, सीमा पार से आतंक और पारंपरिक हथियार मुख्य चुनौती थे, वहीं अब 'हाइब्रिड टेररिज्म' और डिजिटल जासूसी जैसे जटिल खतरे सामने हैं। यह नया दौर संकेत देता है कि युद्ध का मैदान अब केवल सीमाएं नहीं, बल्कि डिजिटल नेटवर्क, मोबाइल फोन और हमारे आसपास मौजूद तकनीकी उपकरण भी बन चुके हैं। पंजाब जैसे संवेदनशील राज्य में हाल के घटनाक्रम इस बदलती रणनीति को स्पष्ट करते हैं। सीमा पार बैठे आतंकी संगठन अब ड्रोन, साइबर तकनीक और स्थानीय आपराधिक नेटवर्क का सहारा ले रहे हैं। हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल, 'टारगेटेड किलिंग' की साजिशें और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग–ये सभी इस बात के संकेत हैं कि खतरे पहले से कहीं अधिक संगठित और तकनीकी हो चुके हैं। सबसे चिंताजनक पहलू 'टेरर–गैंगस्टर नेक्सस' का उभरना है। अपराधी गिरोहों और आतंकी संगठनों के बीच गठजोड़ ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब आतंकवाद केवल वैचारिक या राजनीतिक नहीं, बल्कि आपराधिक नेटवर्क के सहारे संचालित हो रहा है, जिसमें ड्रग्स सिंडिकेट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे न केवल सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि समाज में अस्थिरता और भय का माहौल भी बनता है। इसके साथ ही डिजिटल जासूसी का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा से चलने वाले सीसीटीवी कैमरों के जरिए संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और डेटा की चोरी यह दर्शाती है कि दुश्मन अब तकनीक का उपयोग कर हमारी कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। यह एक ऐसी चुनौती है, जिसका सामना केवल पारंपरिक सुरक्षा उपायों से नहीं किया जा सकता। आज आवश्यकता है कि सुरक्षा तंत्र को समय के साथ आधुनिक और भविष्योन्मुखी बनाया जाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण को राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनाना होगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी, स्थानीय स्तर पर जागरूकता और तकनीकी आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देनी होगी। अंततः, यह समझना होगा कि आंतरिक सुरक्षा केवल सरकार या सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। बदलते खतरे हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हम सतर्क और सजग नहीं हुए, तो नुकसान गंभीर हो सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम नई चुनौतियों को समझें और उनके अनुरूप अपनी रणनीति को मजबूत करें, तभी देश की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

जब मीडिया विकास बोले, तभी देश बदले

बोध प्रकाश सगुणी

भारत एक ऐसा देश है जहां विविधता सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता है। यहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, संस्कृति, जीवनशैली और विकास की स्थिति बदल जाती है। ऐसे बहुलतावादी समाज में विकास को एक ही पैमाने से मापना न तो संभव है और न ही उचित। यही कारण है कि विकास और सुशासन जैसे विषयों पर मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया न केवल सूचनाओं का वाहक है, बल्कि वह समाज की आकांक्षाओं, समस्याओं और संभावनाओं का दर्पण भी है।

आज का समय ऐसा है जब राजनीति में विकास और सुशासन जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए जा रहे हैं। सरकारें अपनी उपलब्धियों को विकास के पैमाने पर आंकने का प्रयास कर रही हैं और जनता भी इन सवालों पर अधिक सजग हो रही है। ऐसे में यह स्वाभाविक अपेक्षा है कि मीडिया भी इन विषयों को अपनी प्राथमिकता में शामिल करे। लेकिन वास्तविकता यह है कि मुख्यधारा का मीडिया अक्सर इन मुद्दों को उतनी गंभीरता से नहीं लेता, जितनी आवश्यकता है।

विकास एक बहुआयामी अवधारणा है। यह केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, लैंगिक समानता और अवसरों की समानता जैसे कई पहलू शामिल हैं। स्वतंत्रता के बाद शुरुआती वर्षों में भारत ने आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी, लेकिन समय के साथ यह समझ विकसित हुई कि केवल आर्थिक वृद्धि से समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। आज सामाजिक विकास, समावेशिता और स्थायी विकास जैसे विषय अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह इन सभी पहलुओं को सामने लाए। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि मीडिया का ध्यान सनसनीखेज खबरों, राजनीतिक बयानबाजी और तात्कालिक मुद्दों पर अधिक केंद्रित रहता है। इससे विकास जैसे गंभीर और दीर्घकालिक विषय पीछे छूट जाते हैं। परिणामस्वरूप समाज में इन मुद्दों पर व्यापक चर्चा नहीं हो पाती।

यह कहना गलत नहीं होगा कि विकास पत्रकारिता के लिए पत्रकारों में उत्साह और क्षमता की कमी नहीं है। देश में ऐसी पूरी पीढ़ी तैयार है जो विकास से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम करना चाहती है। लेकिन समस्या मीडिया संस्थानों की प्राथमिकताओं में है। जहां टीआरपी और विज्ञापन राजस्व को प्राथमिकता दी जाती है, वहां विकास जैसे विषयों को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाता। यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या विकास केवल सरकारी योजनाओं और विज्ञापनों तक सीमित विषय है? या फिर यह समाज में हो रहे नवाचारों, स्थानीय पहलों और आम लोगों के प्रयासों का भी हिस्सा है? वास्तव में विकास की सही तस्वीर तभी सामने आएगी जब मीडिया गांवों, कस्बों और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचे और वहां हो रहे सकारात्मक बदलावों को उजागर करे। भारत में क्षेत्रीय असमानताएं भी विकास पत्रकारिता के लिए चुनौती प्रस्तुत करती हैं। एक ही राज्य में अत्यधिक विकसित और अत्यंत पिछड़े क्षेत्र साथ–साथ मौजूद हैं। उदाहरण के तौर पर, जहां एक ओर बड़े शहरों में आधुनिक सुविधाएं और आर्थिक समृद्धि दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी अब भी बनी हुई है। ऐसे में मीडिया को इन असमानताओं को संतुलित दृष्टि से प्रस्तुत करना चाहिए। विकेंद्रीकरण ने विकास की प्रक्रिया को नया आयाम दिया है। पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिकार मिलने से लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई हैं। लेकिन इसके साथ ही कई नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। भ्रष्टाचार, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दे स्थानीय स्तर पर भी दिखाई देने लगे हैं। इन समस्याओं को उजागर करने और समाधान की दिशा में जनचेतना बढ़ाने में मीडिया की भूमिका अहम है। मीडिया के विस्तार के साथ उसकी पहुंच तो बढ़ी है, लेकिन क्या उसकी संवेदनशीलता भी बढ़ी है? यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। आज मीडिया के पास तकनीकी संसाधनों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई बार वह समाज के कमजोर वर्गों की आवाज बनने में असफल रहता है। विकास पत्रकारिता का मूल उद्देश्य ही यह है कि जो लोग अपनी बात नहीं रख सकते, उनकी आवाज को मंच मिले।

एक और चिंताजनक पहलू यह है कि मीडिया में केंद्रीकरण बढ़ता जा रहा है। कुछ बड़े कॉरपोरेट समूहों के हाथों में मीडिया का नियंत्रण होने से विविधता और स्वतंत्रता पर प्रभाव पड़ता है। क्रॉस मीडिया ओनरशिप जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है, ताकि मीडिया में एकाधिकार की स्थिति न बने और विभिन्न दृष्टिकोणों को स्थान मिल सके।

इसके साथ ही नियामक संस्थाओं को भी सशक्त बनाने की जरूरत है। वर्तमान में प्रेस परिषद जैसी संस्थाएं सीमित अधिकारों के कारण प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रही हैं। बदलते समय के अनुसार इन्हें अधिक शक्तिशाली और व्यापक बनाना आवश्यक है, ताकि वे डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी प्रभावी ढंग से नियंत्रित और मार्गदर्शित कर सकें।

आज एक बड़ा संकट यह भी है कि सूचनाओं की भरमार के बावजूद सार्थक खबरों की कमी महसूस होती है। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, चैनल चौबीसों घंटे प्रसारण कर रहे हैं, लेकिन आम आदमी की समस्याएं और विकास के मुद्दे कहीं पीछे छूट जाते हैं। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि मीडिया का मूल उद्देश्य ही जनहित से जुड़ा होना चाहिए।

मीडिया को यह समझना होगा कि उसकी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि वह समाज के वास्तविक मुद्दों से दूर हो जाएगा, तो उसकी प्रासंगिकता भी कम हो जाएगी। विशेष रूप से युवाओं को ध्यान में रखते हुए मीडिया को अपनी सामग्री तैयार करनी चाहिए, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वह केवल बाजार की मांग के अनुसार न चले, बल्कि समाज की जरूरतों को भी प्राथमिकता दे। आज भारत तेजी से बदल रहा है। समाज में नई आकांक्षाएं जन्म ले रही हैं और लोग अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। ऐसे में मीडिया की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उसे केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समाज को दिशा देने और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनने का प्रयास करना चाहिए।

अंततः यह कहना उचित होगा कि विकास और सुशासन जैसे मुद्दे केवल सरकार या राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। मीडिया इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि वह अपनी भूमिका को सही ढंग से निभाए, तो वह न केवल समाज को जागरूक कर सकता है, बल्कि देश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

अब समय आ गया है कि मीडिया अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करे और विकास पत्रकारिता को केंद्र में लाए। क्योंकि यदि आज इन सवालों को नजरअंदाज किया गया, तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। समाज, लोकतंत्र और स्वयं मीडिया के अस्तित्व के लिए यह आवश्यक है कि वह विकास और सुशासन के मुद्दों को अपनी मुख्यधारा में शामिल करे।

विचार विण्डो

अक्षय तृतीया : आस्था, तप और आत्मबोध की अनंत यात्रा

राम प्रकाश शर्मा

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि वे जीवन–दर्शन के वाहक होते हैं। अक्षय तृतीया ऐसा ही एक महापर्व है, जो आस्था, समृद्धि, तप और आत्मबोध का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यह केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि उस शाश्वत चेतना का प्रतीक है, जो मनुष्य को क्षणभंगुरता से उठाकर 'अक्षयता' की ओर अग्रसर करती है। 'अक्षय' का अर्थ है–जो कभी समाप्त न हो, और 'तृतीया' चंद्र मास का तीसरा दिन। इस प्रकार यह पर्व अनंतता, निरंतरता और स्थायी मूल्यबोध का संदेश देता है।

भारत जैसे बहुलतावादी समाज में जहां जीवन के हर स्तर पर विविधता विद्यमान है, वहां अक्षय तृतीया समन्वय की एक अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करती है। यह पर्व केवल सनातन परंपरा में ही नहीं, बल्कि जैन परंपरा में भी समान रूप से पूजनीय है। यह विविध आस्थाओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है और यह दर्शाता है कि भिन्न मार्ग होने के बावजूद अंतिम लक्ष्य एक ही है–आत्मिक शुद्धि और जीवन की सार्थकता।

इस दिन को 'अबूझ मुहूर्त' कहा जाता है, अर्थात् ऐसा शुभ समय, जिसके लिए किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के इस दिन किए जाते हैं। यह विश्वास केवल परंपरा का हिस्सा नहीं, बल्कि पीढ़ियों के अनुभवों से उपजा एक सांस्कृतिक सत्य है।

लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय जीवन की आर्थिक और श्रम–संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आता है। प्राचीन काल में राजा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करते थे, जो केवल सम्मान का प्रतीक नहीं था, बल्कि यह संदेश भी था कि कृषि राष्ट्र की आत्मा है। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल प्रकृति और श्रम के प्रति गहरे विश्वास को दर्शाता है।

केवल किसान ही नहीं, बल्कि कुम्हार, शिल्पकार, पशुपालक और अन्य श्रमजीवी वर्ग भी इस पर्व से विशेष रूप से जुड़े हुए हैं। यह हमें सिखाता है कि समृद्धि का वास्तविक आधार श्रम, सृजन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता में निहित है। आज जब हम आधुनिकता की दौड़ में इन मूल्यों को भूलते जा रहे हैं, तब यह पर्व हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने का आह्वान करता है।

अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके आध्यात्मिक आयाम में प्रकट होता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा है। दीर्घकालीन तपस्या के पश्च ात इसी दिन उनका पारणा हुआ था, जब हस्तिनापुर के राजकुमार श्रेयांस ने उन्हें इक्षुरस अर्पित किया। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि दान, संयम और साधना की परंपरा की शुरुआत का प्रतीक है।

यह प्रसंग हमें यह सिखाता है कि तप केवल शारीरिक कष्ट नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि का माध्यम है। जैन साधकों के लिए 'वर्षीतप' जैसे कठोर व्रतों का समापन इसी दिन होता है। यह तप हमें बताता है कि जीवन की वास्तविक उपलब्धि भोग में नहीं, बल्कि त्याग में है। यही त्याग जीवन को 'अक्षय' बनाता है।

आधुनिक संदर्भ में देखें तो अक्षय तृतीया का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है। आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में इतना उलझ गया है कि उसने आंतरिक शांति और संतोष को पीछे छोड़ दिया है। यह पर्व हमें संतुलन का पाठ पढ़ाता है। यह बताता है कि भौतिक समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

भारतीय संस्कृति की यही सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां अन्न और आत्मा, श्रम और ध्यान, भोग और त्याग–सभी का संतुलित समन्वय मिलता है। अक्षय तृतीया इसी समन्वय की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह हमें प्रेरित करती है कि हम अपने जीवन में केवल संग्रह न करें, बल्कि त्याग और सेवा को भी स्थान दें।

व्यक्तिगत स्तर पर यह पर्व आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारा जीवन केवल उपभोग तक सीमित है, या उसमें कोई उच्च उद्देश्य भी है। क्या हम केवल बाहरी दुनिया को संवार रहे हैं, या अपने भीतर की चेतना को भी जागृत कर रहे हैं?

अक्षय तृतीया हमें यह सिखाती है कि साधना केवल आश्रमों और मंदिरों तक सीमित नहीं है। यह जीवन के हर कार्य में संभव है। एक किसान जब श्रद्धा से बीज बोता है, एक कारीगर जब अपने काम में समर्पण दिखाता है, एक गृहस्थ जब ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करता है–वह भी साधना ही कर रहा होता है।

आज के समय में जब विश्व युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब इस पर्व का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह हमें संयम, धैर्य और संतुलन का मार्ग दिखाता है। यह बताता है कि यदि हम अपने भीतर शांति स्थापित कर लें, तो बाहरी दुनिया की चुनौतियों का सामना भी सहजता से कर सकते हैं।

अंततः अक्षय तृतीया एक ऐसी पावन धारा है, जिसमें तप, त्याग, संस्कृति और आत्मबोध एक साथ प्रवाहित होते हैं। यह हमें सिखाती है कि जीवन को अक्षय बनाना है तो उसे केवल भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मूल्यों से आलोकित करना होगा।

यदि हम इस पर्व के गूढ़ संदेश को अपने जीवन में उतार लें–संयम, सेवा, साधना और संतुलन का संकल्प लें–तो यह दिन केवल एक उत्सव नहीं रहेगा, बल्कि हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन जाएगा। यही अक्षय तृतीया का वास्तविक संदेश है–एक ऐसा संदेश, जो समय की सीमाओं से परे है और जो हर युग में उतना ही प्रासंगिक रहेगा।

अजीत अगरकर बने रहेंगे मुख्य चयनकर्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। अब वह जून 2027 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के चयन प्रमुख बने रहेंगे। यह फैसला खास तौर पर 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों को ध्यान में रखकर लिया गया है।

अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच भारत ने चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल खेले, जिनमें से तीन में जीत दर्ज की। इसमें दो टी20 वर्ल्ड

कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी शामिल है। इसी वजह से उनके कॉन्ट्रैक्ट रीन्यू को औपचारिकता माना जा रहा था। अगरकर की अगुवाई में चयन समिति ने कई साहसी फैसले लिए हैं।

टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका देना, सीनियर खिलाड़ियों के टेस्ट भविष्य पर स्पष्ट निर्णय लेना और तेज गेंदबाजी यूनिट को नए सिरे से तैयार करना प्रमुख बदलाव रहे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट करियर से जुड़े फैसलों को संतुलित तरीके से संभालना भी उनकी बड़ी जिम्मेदारी रही। इसके अलावा, कुछ बड़े टूर्नामेंट्स में फॉर्म के आधार पर चयन को प्राथमिकता दी गई। बीसीसीआई का मानना है कि वर्ल्ड कप से पहले

2027 वर्ल्ड कप पर फोकस

अजीत अगरकर का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ा

अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया

चयन में स्थिरता बेहद जरूरी है। अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर की जोड़ी को भविष्य की टीम तैयार करने में अहम माना जा रहा है। बोर्ड चाहता है कि एक लंबी योजना के तहत टीम को 2027 वर्ल्ड कप के लिए मजबूत बनाया जाए।

'भूत बंगला' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

दूसरे दिन फिल्म ने पकड़ी रफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन शुरू कर दिया है। 17 अप्रैल को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे दिन ही कमाई में जबरदस्त उछाल दर्ज किया और दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

ओपनिंग डे पर फिल्म ने लगभग 12.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि प्रीव्यू से भी 3.75 करोड़ रुपये जुटाए थे। दूसरे दिन यानी शनिवार को फिल्म की रफ्तार और तेज हो गई और इसने करीब 19 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस तरह दो दिनों में इसका भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगभग 35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 60 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है, जो इसे शुरुआती वीकेंड में मजबूत स्थिति में लाता है। हालांकि

फिल्म का बजट लगभग 120 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, ऐसे में आगे के दिनों की कमाई इसके लिए बेहद अहम होगी। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ तब्बू, वामिका गब्बी, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। कहानी एक रहस्यमयी महल और वहां होने वाली अजीब घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो इसे एक एंटरटेनिंग हॉरर-कॉमेडी बनाती है।

जीत के बावजूद ईशान किशन की सख्त प्रतिक्रिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आईपीएल 2026 के 27वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 10 रनों से हराकर जीत दर्ज की, लेकिन इसके बावजूद कप्तान ईशान किशन टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन से खुश नजर नहीं आए। मैच के बाद पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में ईशान किशन ने साफ कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी, लेकिन टीम अपेक्षित स्कोर तक नहीं पहुंच पाई।

उन्होंने कहा कि एसआरएच को कम से कम 30-40 रन और बनाने चाहिए थे। ईशान ने बताया कि टीम ने हमेशा बड़े स्कोर (220-230 रन) बनाने की क्षमता दिखाई है, लेकिन इस मैच में टॉप ऑर्डर पूरी तरह क्लिक नहीं कर पाया।

कप्तान ने बल्लेबाजों के शॉट सेलेक्शन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शुरुआत में विकेट जल्दी गिरने से दबाव बढ़ गया और

मिडिल ऑर्डर को मुश्किल स्थिति में खेलना पड़ा। अभिषेक शर्मा ने 60 के करीब रन बनाए, जबकि हेनरिक क्लासेन ने भी 59 रनों की अहम पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके। जहां बल्लेबाजी से ईशान निराश दिखे, वहीं उन्होंने गेंदबाजों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि युवा गेंदबाजों ने

कप्तान ने बल्लेबाजों के शॉट सेलेक्शन पर भी सवाल उठाए

कहा, शुरुआत में विकेट जल्दी गिरने से दबाव बढ़ा

मिडिल ऑर्डर को मुश्किल स्थिति में खेलना पड़ा

बेहतरीन प्लानिंग के साथ गेंदबाजी की और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सीएसके ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 184 रन बनाए और 8 विकेट खो दिए। टीम की ओर से मैथ्यू शॉर्ट ने 34 रन बनाए, लेकिन जीत दिलाने में नाकाम रहे। इस हार के साथ उरङ को इस सीजन की चौथी हार झेलनी पड़ी।

ग्लैमर और ग्रेस का संगम: मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 में साध्वी सैल ने जीता ताज

यूनिक समय, नई दिल्ली। फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का ग्रैंड फिनाले भुवनेश्वर के के आईआईटी में बेहद भव्य अंदाज में आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में गोवा की साध्वी सैल ने 30 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का खिताब अपने नाम किया। विजेता बनने के बाद साध्वी सैल को पूर्व मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल ने ताज पहनाया, जो इस पल को और भी खास बना गया। इस दौरान दर्शकों में उत्साह और तालियों की गूंज साफ सुनाई दी। फर्स्ट रनरअप राजनंदिनी पवार और सेकंड रनरअप अद्वैता रहीं, जिन्हें भी मंच पर सम्मानित किया गया।

इवेंट में बॉलीवुड और एंटरटेनमेंट जगत के कई सितारों ने चार चांद लगाए। अभिनेता ईशान खट्टर ने एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं मशहूर गायक जुबिन नौटियाल ने अपनी सुरीली आवाज से माहौल को और भी खास बना दिया। अमेरिकी डांसर लॉरेन गॉटलिब ने भी

अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसके अलावा 60 डांसरों की ओडिया सांस्कृतिक प्रस्तुति ने भारतीय संस्कृति की भव्यता को मंच पर जीवंत कर दिया।

इस इवेंट में नेहा धूपिया, जीनत अमान, सेलिना जेटली और मधुर भंडारकर जैसी कई मशहूर हस्तियां भी मौजूद रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। यह फिनाले ग्लैमर, संस्कृति और प्रतिभा का शानदार संगम साबित हुआ।

'सड़िया ए जान' गाने में पवन सिंह और खुशी तिवारी की रोमांटिक केमिस्ट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी स्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने नए गाने सड़िया ए जान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस गाने में वह खुशी तिवारी के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं, जिसकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आ रही है।

गाने में खुशी तिवारी साड़ियों की डिमांड करती दिखती हैं, जबकि पवन सिंह उनके लुक्स पर फिदा नजर आते हैं। दोनों के बीच हल्का-फुल्का रोमांस और मजेदार सीन गाने को और आकर्षक बनाते हैं। इस गाने को पवन सिंह और खुशी कक्कड़ ने गाया है, जबकि इसके बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने दिया है। रिलीज होते ही गाने को यूट्यूब पर अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फैंस इस गाने को पवन सिंह की नई रोमांटिक पेशकश के तौर पर देख रहे हैं।

महावतार परशुराम : धर्म और शक्ति की भव्य पौराणिक कहानी का नया अध्याय

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिनेमा प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। होम्बले फिल्म्स ने अपनी नई पेशकश 'महावतार परशुराम' का पहला पोस्टर परशुराम जयंती के अवसर पर जारी किया है। यह फिल्म उनके महत्वाकांक्षी 'महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स' का हिस्सा है, जिसमें भगवान विष्णु के 10 अवतारों की कहानियों को एनिमेटेड रूप में दिखाया जाएगा।

इस यूनिवर्स की शुरुआत पहले ही 'महावतार नरसिम्हा' से हो चुकी है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब दूसरी किस्त के रूप में 'महावतार परशुराम' पर काम किया जा रहा है, जो भगवान विष्णु के छठे अवतार की भव्य कथा को दर्शाएगी। पोस्टर के साथ मेकर्स ने संकेत दिया है कि यह कहानी धर्म और अधर्म के संघर्ष पर आधारित होगी, जिसमें परशुराम को

दिसंबर 2027 में आएगी फिल्म, एनिमेशन में दिखेगा भगवान विष्णु के छठे अवतार का रूप

एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में दिखाया जाएगा। फिल्म का पोस्टर हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी जारी किया गया है, जिससे साफ है कि इसे पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। मेकर्स का उद्देश्य इस पौराणिक कथा को बड़े पैमाने पर वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाना है। रिलीज डेट की बात करें तो फिल्म 'महावतार परशुराम' को दिसंबर 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है, हालांकि अभी इसकी सटीक तारीख की घोषणा नहीं की गई है। यह प्रोजेक्ट भारतीय पौराणिक कथाओं को आधुनिक एनिमेशन तकनीक के साथ पेश करने का एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है, जिसे लेकर दर्शकों में अभी से उत्साह देखा जा रहा है।

52 की उम्र में भी सिंगल क्यों हैं 'धुरंधर' के आलम भाई?

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'धुरंधर' और 'धुरंधरः द रिवेंज' में आलम भाई का दमदार किरदार निभाने वाले गौरव गेरा इन दिनों खूब चर्चा में हैं। 52 साल की उम्र में भी वह सिंगल हैं और अब उन्होंने इसके पीछे की वजह साफ बताई है।

एक इंटरव्यू में गौरव गेरा ने कहा कि वे एक समय गहरे प्यार में थे, लेकिन वह रिश्ता अच्छा खत्म नहीं हुआ। उसी अनुभव ने उन्हें भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया। उनका कहना है कि वह अब किसी रिश्ते में जाकर दोबारा दर्द या हार्टब्रेक नहीं झेलना चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि वह नहीं चाहते कि कोई व्यक्ति इतना अहम बन जाए कि उन्हें फिर से चोट पहुंचा सके। गौरव ने अपने करियर की शुरुआत डांसर के रूप में की थी। बाद में उन्हें टीवी शो 'लाइफ नहीं लड्डू' में लीड रोल मिला। लेकिन असली पहचान उन्हें 'जस्सी जैसी कोई नहीं' में नंदू के किरदार से मिली, जिसके बाद वे घर-घर मशहूर हो गए।

'फाइटर 2' पर सस्पेंस खत्म: सीक्वल को लेकर सामने आई सच्चाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की सुपरहिट फिल्म फाइटर के सीक्वल को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर अब विराम लग गया है। सोशल मीडिया पर हाल ही में ऐसी अफवाहें तेज थीं कि फिल्म का दूसरा भाग जल्द शुरू होने वाला है, जिससे फैंस काफी उत्साहित हो गए थे।

इन अटकलों की शुरुआत एक वायरल पोस्ट से हुई थी, जिसके बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की एक प्रतिक्रिया ने भी चर्चाओं को हवा दे दी थी। लेकिन अब सामने आई ताज़ा रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'फाइटर 2' को लेकर कोई भी आधिकारिक योजना नहीं है और न ही इसकी स्क्रिप्ट या शूटिंग पर काम शुरू हुआ है। सूत्रों के अनुसार,

ऋतिक रोशन और मेकर्स के बीच फिलहाल सीक्वल को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है।

यानी यह साफ हो गया है कि 'फाइटर 2' सिर्फ एक अफवाह है और फिलहाल इसका कोई अस्तित्व नहीं है। गौरतलब है कि पहली फिल्म 'फाइटर' 2024 में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म में भारतीय वायुसेना के मिशन और एक्शन सीक्वेंस को बड़े पैमाने पर दिखाया गया था, जिसने इसे चर्चा में ला दिया था।

शिकोहाबाद सब्जी मंडी में भीषण आग

अग्निकांड से 50 दुकानें राख

यूनिक समय, फिरोजाबाद । शिकोहाबाद की सब्जी मंडी में देर रात लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब 50 से 60 दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। इस अग्निकांड में व्यापारियों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें इतनी उंची थीं कि दूर-दूर तक धुआं और रोशनी दिखाई दे रही थी। आग की शुरुआत सब्जी मंडी से हुई, जिसने जल्द ही पास की कपड़े की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इससे नुकसान का दायरा और बढ़ गया। बताया जा रहा है कि 40 से अधिक फल-सब्जी की दुकानें और 6-7 रेडीमेड कपड़ों की दुकानें इस आग में प्रभावित हुई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, स्थानीय व्यापारियों ने फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि यदि समय पर दमकल की गाड़ियां पहुंच जातीं, तो नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के अनुसार, आग देर रात करीब 2:21 बजे लगी थी। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की संभावित वजह माना जा रहा है, हालांकि सटीक कारणों की जांच अभी जारी है।

इस घटना के बाद प्रभावित व्यापारियों में भारी आक्रोश है और वे प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और नुकसान के आकलन का काम शुरू कर दिया है। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है, लेकिन इस हादसे ने एक बार फिर बाजारों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

महिला आरक्षण पर योगी का विपक्ष पर हमला

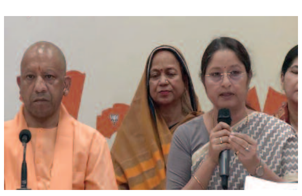

यूनिक समय, लखनऊ । योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊमें आयोजित प्रेसवार्ता में महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी मौजूद रहीं। दोनों नेताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे महिलाओं को उनका अधिकार नहीं देना चाहते।

सीएम योगी ने कहा कि यह कानून महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध कर आधी आबादी की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में इस मुद्दे पर जिस तरह की टिप्पणियां की गईं, वह "द्रौपदी चीरहरण" जैसी स्थिति को दर्शाती हैं। उनके अनुसार, यह व्यवहार महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है और देश की जनता इसे भूलेगी नहीं। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं और धर्म के आधार पर आरक्षण की मांग कर संविधान की मूल भावना के विपरीत जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के दिन को विपक्ष ने "काला दिन" बनाने की कोशिश की, जिससे महिलाओं में आक्रोश है। सीएम योगी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में "चार जातियों"-नारी, युवा, गरीब और किसान-की बात रखी है और यह बिल उसी सोच का हिस्सा है। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद, तृणमूल और डीएमके जैसे दलों पर प्रगतिशील कदमों में बाधा डालने का आरोप लगाया। अंत में योगी ने कहा कि आने वाले समय में महिलाएं अपने वोट के जरिए विपक्ष को जवाब देंगी और यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी बड़ा असर डाल सकता है।

महिला आरक्षण पर अखिलेश का बीजेपी पर पलटवार

यूनिक समय, लखनऊ । अखिलेश यादव ने रविवार को राजधानी लखनऊमें प्रेसवार्ता कर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के मुद्दे को गंभीरता से लेने के बजाय उसे केवल राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा "नारी को नारा बनाने" की कोशिश कर रही थी, लेकिन विपक्ष ने उनके इस प्रयास को सफल नहीं होने दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार जनगणना कराने में सक्षम नहीं है, तो महिला आरक्षण को प्रभावी तरीके से कैसे लागू किया जाएगा। उनके अनुसार, बिना स्पष्ट आंकड़ों के आरक्षण का लाभ किसे मिलेगा, यह तय करना मुश्किल होगा। सपा प्रमुख ने जातीय जनगणना का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में सामाजिक न्याय चाहती है, तो उसे पारदर्शी तरीके से जनगणना करानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज को छोटे-छोटे समूहों में बांटकर राजनीति करती है और डर का माहौल बनाकर सत्ता हासिल करने की कोशिश करती है। इस दौरान उन्होंने भाजपा के "सीएमएफ फार्मूले पर भी निशाना साधा और कहा कि अब जनता इस रणनीति को समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि देश में भाजपा के खिलाफ जनचेतना बढ़ रही है और इसका असर आने वाले चुनावों में दिखाई देगा। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि महिला आरक्षण बिल के जरिए भाजपा महिलाओं के बीच विभाजन पैदा करना चाहती थी, लेकिन विपक्ष की एकजुटता ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बिल वास्तविक सशक्तिकरण के बजाय राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से लाया गया है।

यूपी में दूध उत्पादन अव्वल खपत में पिछड़ापन उजागर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश देश में दूध उत्पादन के मामले में पहले स्थान पर है, लेकिन उपभोग के स्तर पर पीछे रह गया है। आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश उत्पादन में अग्रणी होने के बावजूद दूध पीने के मामले में आठवें स्थान पर है। इसका सबसे अधिक असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर देखने को मिल रहा है, जो पुरुषों की तुलना में कम दूध का सेवन करती हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है, जिसमें कैल्शियम, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्व भरपूर होते हैं। इसके बावजूद प्रदेश में महिलाएं दूध पीने में पीछे हैं। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे (ठाल्र-5) के अनुसार, जहां करीब 55 से 58 प्रतिशत पुरुष नियमित दूध पीते हैं, वहीं महिलाओं का आंकड़ा 42 से 45 प्रतिशत के बीच है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां महिलाएं अक्सर परिवार के अन्य सदस्यों को प्राथमिकता देती हैं।

इस असंतुलन का सीधा असर कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं के रूप में सामने आ रहा है। प्रदेश में आधे से अधिक महिलाएं खून की कमी से जूझ रही हैं, जबकि कैल्शियम की कमी के कारण हड्डियों से जुड़ी बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं।

इस स्थिति को सुधारने के लिए पशुपालन एवं दुग्धशाला विभाग नई रणनीति पर काम कर रहा है। लक्ष्य है कि प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता को 500 से 600 ग्राम प्रतिदिन तक बढ़ाया जाए। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है और नंद बाबा दुग्ध मिशन जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है कि वे गांव-गांव जाकर महिलाओं को दूध के महत्व के बारे में जागरूक करें। उन्हें प्रतिदिन कम से कम एक गिलास दूध पीने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित दूध सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है।

बुकिंग के बाद भी नहीं मिला सिलेंडर

66 हजार उपभोक्ताओं पर गहराया गैस संकट

यूनिक समय, आगरा । आगरा में रसोई गैस को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बुकिंग के बावजूद हजारों उपभोक्ताओं को समय पर सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है। हालात यह हैं कि करीब 66 हजार उपभोक्ता गैस की डिलीवरी के लिए इंतजार कर रहे हैं, जिससे आम लोगों की रसोई व्यवस्था प्रभावित हो गई है।

जिले में इंडेन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के करीब 12.50 लाख उपभोक्ता हैं। नियमों के अनुसार बुकिंग के 24 घंटे के भीतर गैस सिलिंडर की डिलीवरी हो जानी चाहिए, लेकिन वर्तमान स्थिति में उपभोक्ताओं को 7 से 15 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे घरेलू बजट और दिनचर्या दोनों पर असर पड़ रहा है। जिला पूर्ति विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 13 मार्च से 18 अप्रैल 2026 के बीच लगभग 8.79 लाख सिलिंडरों की बुकिंग हुई, जबकि डिलीवरी केवल 8.13 लाख तक ही सीमित रही। इस तरह करीब 65,749 सिलिंडर की डिलीवरी लंबित रह गई, जो संकट का मुख्य कारण बन गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समस्या के पीछे तकनीकी खामियां और सर्वर डाउन रहना प्रमुख वजह है। मार्च के अंत तक लगातार सर्वर में दिक्कतों के कारण डाटा अपडेट नहीं हो सका, जिससे सप्लाई व्यवस्था प्रभावित हुई। इसके अलावा गैस एजेंसियों तक पर्याप्त स्टॉक नहीं पहुंच पाने से भी परेशानी बढ़ी है। इस स्थिति से उपभोक्ताओं में नाराजगी है और वे एजेंसियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि तकनीकी समस्याएं अब काफी हद तक दूर हो चुकी हैं और लंबित बुकिंग को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का दावा है कि आने वाले दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी, लेकिन फिलहाल लोगों को राहत का इंतजार है।

भीषण गर्मी का कहर, त्वचा रोगियों की संख्या बढ़ी

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। आसमान से बरसती तेज धूप के कारण लोगों के चेहरे झुलसने लगे हैं और इसका सीधा असर अस्पतालों में दिख रहा है। जिला अस्पताल की चर्म रोग ओपीडी में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जहां स्किन बर्न, लाल चकत्ते, खुजली और डैंड्रफ जैसी समस्याओं से पीड़ित लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार बढ़ रहा है और सुबह 11 बजे तक ही पारा 40 डिग्री के पार पहुंच जा रहा है। रोजमर्रा के काम और शादी-विवाह के सीजन के चलते लोगों को मजबूरी में घर से बाहर निकलना पड़ रहा है, जिससे वे तेज धूप की चपेट में आ रहे हैं। जरा सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. आरबी वर्मा के अनुसार, तेज धूप और पसीने के कारण लोगों के चेहरे पर लालिमा, दाने और चकत्ते बढ़ रहे हैं। कई मामलों में यह समस्या दाद या फंगल इंफेक्शन का रूप ले लेती है। सिर में अधिक पसीना आने से डैंड्रफ की समस्या भी बढ़ रही है। इसके अलावा चिकन पॉक्स और वायरल संक्रमण के मामलों में भी इजाफा देखा जा रहा है। ओपीडी में आने वाले लगभग 40 प्रतिशत मरीज इन्हीं समस्याओं से ग्रसित हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उनका कहना है कि जहां तक संभव हो, तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को ढककर रखें और हल्के, ढीले सूती कपड़े पहनें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और छांछ, दही तथा रसदार फलों का सेवन करें। तले-भुने और जंक फूड से परहेज करें। डॉक्टरों ने यह भी चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की त्वचा समस्या होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए, ताकि बीमारी बढ़ने से रोकी जा सके।

सार संक्षेप

जेट फ्यूल महंगा होने से उड़ानों पर संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेट फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने एयरलाइंस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई कंपनियों ने लागत कम करने के लिए उड़ानों में कटौती और कुछ रूट बंद करने शुरू कर दिए हैं। इसका असर वैश्विक कनेक्टिविटी पर साफ दिख रहा है और यात्रियों को महंगे टिकट का सामना करना पड़ रहा है। यूरोप, अमेरिका और एशिया में भी इसका प्रभाव फैल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो आने वाले समय में और उड़ानें घट सकती हैं।

बोकारो में मालगाड़ी का हादसा टला

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड के बोकारो थर्मल पावर प्लांट में एक मालगाड़ी अचानक बेकाबू होकर गेट तोड़ते हुए अंदर घुस गई और एक स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। कार को करीब 400-500 मीटर तक घसीटा गया, हालांकि ड्राइवर ने कूदकर जान बचा ली। घटना के समय फाटक बंद था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। शुरुआती जांच में रेलवे की लापरवाही सामने आई है क्योंकि मालगाड़ी को रिवर्स में बाहर निकाला जा रहा था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी हुई थी।

हाजीपुर में शादी बनी बवाल, बारात लौटी खाली हाथ

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के हाजीपुर में जयमाला के बाद शादी समारोह में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडे और कुर्सियां चल गईं। कुछ बाराती दुल्हन के कमरे में घुस गए, जिसके बाद झगड़ा भड़क गया। मारपीट में कई लोग घायल हुए और वाहनों में तोड़फोड़ हुई। दूल्हे ने भी विवाद के बाद शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली, लेकिन शादी टूट गई और बारात बिना दुल्हन लौट गई।

ट्रंप ने इजरायल की तारीफ की

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल को अमेरिका का "महान सहयोगी" बताते हुए उसकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि चाहे कोई इजरायल को पसंद करे या नहीं, वह वफादार, बहादुर और युद्ध में जीतने वाला देश है। ट्रंप ने यूरोपीय देशों और नाटो पर भी निशाना साधा और कहा कि होर्मुज संकट में उन्होंने अमेरिका का साथ नहीं दिया। इससे अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

लगरपुरिया गैंग पर पुलिस का एक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में लगरपुरिया गैंग के दो बदमाशों का पुलिस ने "हाफ एनकाउंटर" किया। श्याम विहार में ट्रैप के दौरान एक बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने गोली चलाई और एक के पैर में गोली लग गई। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, दोनों टारगेट किलिंग की साजिश में शामिल थे। विकास गुलिया उर्फ लगरपुरिया कुख्यात गैंगस्टर है, जिसके खिलाफ कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

होर्मुज तनाव के बीच उत्तर कोरिया का मिसाइल टेस्ट, जापान में इमरजेंसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने एक साथ कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अंतरराष्ट्रीय चिंता बढ़ा दी है। इस कदम के बाद जापान ने तुरंत नेशनल इमरजेंसी घोषित कर दी और सुरक्षा अलर्ट जारी किया। दक्षिण कोरिया की जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के सिन्पो क्षेत्र से पूर्वी समुद्र की ओर दागी गईं और लगभग 140 किलोमीटर तक गईं। माना जा रहा है कि इनमें से कुछ मिसाइलें पनडुब्बी से लॉन्च की गई हो सकती हैं, हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

घटना के बाद जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर अलर्ट जारी करते हुए इसे गंभीर सुरक्षा खतरा बताया। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन करार दिया। दक्षिण कोरिया ने भी तुरंत आपातकालीन राष्ट्रीय सुरक्षा

जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे गंभीर सुरक्षा खतरा बताया

बैठक बुलाई और उत्तर कोरिया के कदम पर गहरी चिंता जताई। साथ ही अमेरिका और जापान के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रखने की बात कही गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, किम जोंग उन लगातार अपने मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को मजबूत कर रहे हैं। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक हथियारों, सॉलिड फ्यूल इंजन और पनडुब्बी-लॉन्च मिसाइल तकनीक पर तेजी से काम किया है।

आईएईए ने भी चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम में "तेजी से प्रगति" हो रही है। होर्मुज में ईरान-अमेरिका तनाव और उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं और बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम आने वाले समय में वैश्विक कूटनीति और सैन्य रणनीति पर बड़ा असर डाल सकता है।

सीएम धामी ने चारधाम यात्रा का किया शुभारंभ

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश में संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चारधाम यात्रा-2026 का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने चारधाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यात्रियों के लिए लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण भी किया। सीएम ने देशभर से आए श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा आस्था, साधना और आत्मा को जोड़ने वाली पवित्र यात्रा है, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य इस यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दिव्य अनुभव बनाना है। इसके लिए लगातार तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से अपील की कि यात्रा मार्ग और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि देवभूमि की पवित्रता

यात्रियों के लिए लगाए गए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि ग्रीन चारधाम यात्रा और प्लास्टिक मुक्त केदारनाथ जैसे लक्ष्य तय किए गए हैं।

सीएम धामी ने बताया कि यात्रा को सुगम बनाने के लिए कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम हो रहा है। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के कारण यात्रा और तेज व आसान हुई है। केदारनाथ और बद्रीनाथ में पुनर्निर्माण कार्य जारी हैं, जबकि गंगोत्री, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा ऑल वेदर रोड और रोपवे परियोजनाओं से यात्रा मार्ग और अधिक सुगम हो रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अस्पतालों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सहायता मिल सके।

इटली में गुरुद्वारे के बाहर फायरिंग, दो भारतीयों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। इटली के बर्गामो प्रांत के कोवो शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां गुरुद्वारे से बाहर निकलते समय दो भारतीय नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना वैसाखी उत्सव के दौरान हुई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना आधी रात से कुछ मिनट पहले हुई। मृतकों की पहचान 48 वर्षीय रगिंदर सिंह और 48 वर्षीय गुरमीत सिंह के रूप में हुई है, जो इटली के अलग-अलग शहरों में रहते थे। बताया जा रहा है कि हमलावर ने दोनों के पास आकर उन पर गोलियां चलाईं और फिर कार से भाग गया। पुलिस ने घटनास्थल से करीब दस खाली कारतूस बरामद किए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शुरुआती जांच में इसे पूर्व नियोजित हत्या माना जा रहा है, जबकि किसी आपसी झगड़े की संभावना को फिलहाल खारिज किया गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, हमलावर भी भारतीय मूल का हो सकता है और उसी गुरुद्वारे से जुड़ा रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

टेरर मॉड्यूल का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करते हुए चार संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से की गई है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद हमाद, शेख इमरान, मोहम्मद सोहेल और मोसैब अहमद के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, ये आरोपी रिमोट कंट्रोल वाली खिलौना कार में आईईडी लगाकर भीड़भाड़ वाले इलाकों में धमाका करने की योजना बना रहे थे। इनके निशाने पर राम मंदिर, संसद भवन, लाल किला और अन्य संवेदनशील स्थान थे। जांच में इनके पास से विस्फोटक सामग्री, बॉल बेयरिंग और अन्य सामान भी बरामद हुआ है। संदिग्ध सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए नए लोगों को जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। मोसैब अहमद को आईईडी जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई थी, जबकि अन्य आरोपी फंडिंग और रेकी में शामिल थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

नाटक के दौरान बड़ा हादसा दो बच्चों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के रायचूर जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब खुले मंच पर नाटक देखने के दौरान मेहराब का हिस्सा अचानक गिर गया। यह घटना मानवी तालुक के बैल मरचड गांव में हुई, जहां कई लोग नाटक का आनंद ले रहे थे।

इसी दौरान भारी ढांचा गिरने से अफरा-तफरी मच गई और मौके पर चीख-पुकार फैल गई। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान 8 वर्षीय विश्वनाथ रामलिंग और 2 वर्षीय संविता के रूप में हुई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मानवी सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। इस हादसे में विशक्षी (25), लक्ष्मी (18), विशालाक्षी (25), यल्लम्मा (3) और बसम्मा (45) गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों का इलाज रायचूर आयुर्वेद संस्थान में चल रहा है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मेहराब की संरचना कमजोर होने की वजह से यह हादसा हुआ। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है और प्रशासन ने सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा शुरू कर दी है।

मुंबई में ड्रग्स रैकेट पर बड़ी कार्रवाई, विदेशी नागरिक गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने खार पश्चिम इलाके में छापेमारी कर एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से 2.21 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन और एमडीएमए (एक्स्टेसी) टैबलेट्स बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई वर्ली यूनिट की टीम ने गश्त के दौरान की, जब आरोपी संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

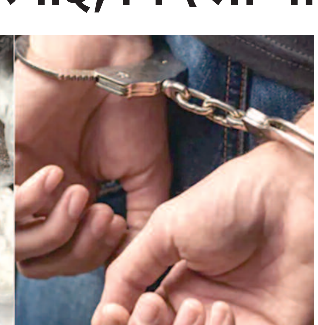

गिरफ्तार आरोपी की पहचान इजेकियल नजोकू (39) के रूप में हुई है, जो नाइजीरिया का रहने वाला है और फिलहाल नालासोपारा में रह रहा था। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसके बैग में ड्रग्स हैं और वह इन्हें ग्राहकों को बेचने आया था। तलाशी के दौरान 113 ग्राम कोकीन और 45 एमडीएमए टैबलेट्स बरामद हुईं। इनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये बताई जा रही है। टैबलेट्स पर ऑडी आरएस का निशान बना हुआ था, जिससे पुलिस को शक है कि इन्हें हाई-प्रोफाइल पार्टी सर्किट और युवाओं में सप्लाई किया जाता था। पुलिस ने आरोपी के पास से नाइजीरिया का पासपोर्ट, वैध भारतीय वीजा और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। अब पुलिस उसके मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड, चैट और डिजिटल ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, नेस्को परिसर में हाल ही में हुई ड्रग्स पार्टी के बाद से शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। क्लब, होटल और पार्टी हब पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मुंबई पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में एक अहम कदम है और आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन बिल पर सीएम रेखा गुप्ता का विपक्ष पर हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि आजादी के 78 वर्षों बाद भी महिलाओं को संसद में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया, जिसे सुधारने के लिए यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। सीएम ने आरोप लगाया कि विपक्ष पिछले 30 वर्षों से इस बिल को टालता रहा और अब भी इसे कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिसीमन जैसी प्रक्रिया को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि यह आवश्यक और स्पष्ट प्रावधान है।

नीमगांव में गेहूं की फसल में लगी भीषण आग, 32 बीघा फसल जली

यूनिक समय, राया। कस्बा राया क्षेत्र के नीमगांव में रविवार दोपहर अज्ञात कारणों से करीब 32 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। इस घटना में किसान उमेश चंद्र शर्मा, सतीश चंद्र शर्मा, किशनपाल और प्रमोद शर्मा को बड़ा नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने दमकल के पहुंचने से पहले ही आग पर काबू पा लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। कुछ लोग पानी से भरी बाल्टियां लेकर दौड़े, जबकि कुछ ने पेड़ों की टहनियों से आग को नियंत्रित करने की कोशिश की। दमकल विभाग को भी सूचना दी गई, लेकिन उनके

खेत में खड़ी गेहूं की फसल में लगी आग को बुझाते ग्रामीण।

पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने मिलकर आग पर काफी हद तक काबू पा

अज्ञात कारणों से लगी आग, ग्रामीणों ने पाया काबू

लिया था। किसान उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि उनकी 16 बीघा गेहूं की फसल कटने वाली थी, जो पूरी तरह जल गई। अन्य किसानों, जिनमें प्रमोद शर्मा और किशन पाल शामिल हैं, की फसल को मिलाकर कुल लगभग 32 बीघा खेत प्रभावित हुआ। कुछ खेतों में कटाई के बाद पड़ा भूसा भी आग की चपेट में आ गया। खबर लिखे जाने तक आग लगने का कारण नहीं पता लग सका।

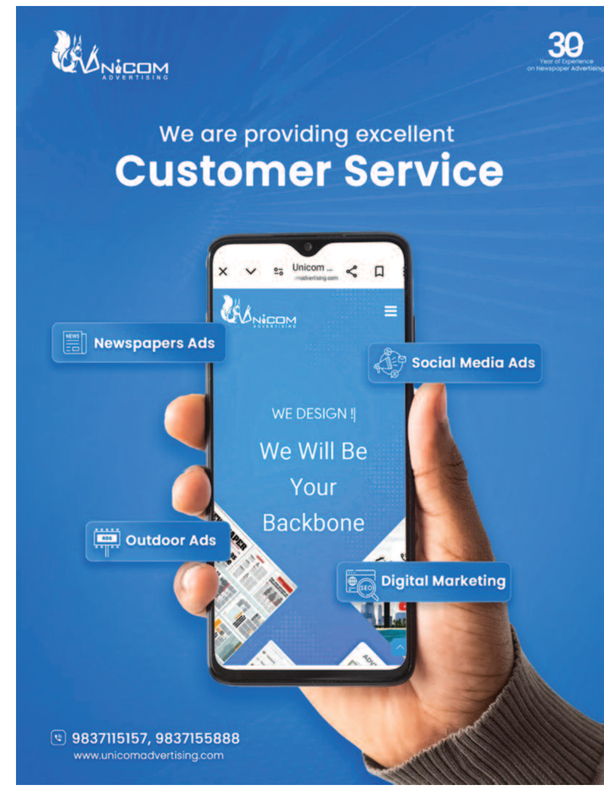

फुटपाथ पर बिकने वाले चश्मा आंखों के लिए खतरा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर में सौ और दो सौ रुपए में मिलने वाले सस्ते और ब्रांडेड जैसे दिखने वाले चश्मे लोगों के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, बिना जांचे–परखे फुटपाथ से खरीदे गए चश्मे आंखों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नेत्र रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि घटिया लेंस वाले चश्मे मोतियाबिंद और रेटिना संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शहर के कई इलाकों में बड़ी संख्या में फुटपाथ पर चश्मे बेचे जा रहे हैं।

ये चश्मे सस्ते और आकर्षक जरूर होते हैं, लेकिन इनके लेंस की गुणवत्ता बेहद खराब होती है। डॉक्टरों के अनुसार इन लेंसों में अक्सर गलत नंबर, खरोंच या विजुअल डिस्टॉर्शन होता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यही वजह है कि इन्हें पहनने के कुछ ही समय बाद सिरदर्द, आंखों में दर्द और भारीपन महसूस होने लगता है।

अधिकांश लोग यह मान लेते हैं कि काले रंग का चश्मा धूप से पूरी सुरक्षा देता है, जबकि यह पूरी तरह गलत है। नेत्र रोग विशेषज्ञ के अनुसार यूवी सुरक्षा लेंस के रंग से नहीं, बल्कि उसमें मौजूद विशेष फिल्टर से मिलती है। बिना यूवी फिल्टर वाले चश्मे पहनने से आंखों की पुतलियां फैल जाती हैं, जिससे हानिकारक किरणें सीधे रेटिना तक पहुंच जाती हैं। इससे मोतियाबिंद और उम्र से जुड़ी आंखों की गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

हाल ही में एक युवा मरीज सन एलर्जी और लगातार सिरदर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचा। जांच में पता चला कि वह जो चश्मा पहन रहा था, उसमें 0.5 का लेंस नंबर था, जबकि उसे इसकी जानकारी ही नहीं थी। डॉक्टरों के मुताबिक, ऐसे छोटे–छोटे नंबर भी आंखों पर बड़ा असर डालते हैं और लंबे समय में गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि चश्मा सिर्फ फैशन का साधन नहीं, बल्कि एक मेडिकल जरूरत है। इसे खरीदने के बाद किसी अनुभवी ऑप्टिशियन या नेत्र विशेषज्ञ से इसकी जांच जरूर करानी चाहिए। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि सस्ते चश्मे के चक्कर में आंखों की सेहत से समझौता करना भारी पड़ सकता है। बेहतर है कि प्रमाणित दुकानों से ही चश्मा खरीदें और उसकी गुणवत्ता, नंबर और यूवी प्रोटेक्शन की जांच जरूर कराएं।

जिले में भीषण गर्मी का असर

कक्षा 1 से 8 तक के स्कूलों का समय बदला

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों के समय में बदलाव कर दिया गया है। यह जानकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने दी ह ।

उन्होंने बताया जनपद के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई व अन्य बोर्डों के विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक की कक्षाएं अब 20 अप्रैल से अगले आदेश तक प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय बच्चों को लू और भीषण गर्मी से बचाने के लिए लिया गया है।

साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि कोई विद्यालय इस आदेश का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

75 वर्ष बाद गांव को मिली पक्की सड़क, ग्रामीणों में जश्न का माहौल

गांव नगला अनूप सिंह भरनखुर्द को पक्की सड़क मंजूर होने पर ग्रामीण जश्न मनाते हुए।

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। आजादी के 75 वर्ष बाद जनपद के गांव नगला अनूप सिंह भरनखुर्द के ग्रामीणों का वर्षों पुराना सपना आखिरकार साकार हो गया। गांव को जोड़ने वाली 2.4 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क के निर्माण कार्य का रविवार को विधिवत शुभारंभ किया गया, जिससे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। यह सड़क नगला रामनगर, नगला कासौटियों, नगला सपेरा होते हुए नगला पंजाबी राधाकुंड तक जाएगी। सड़क का आधा हिस्सा गोवर्धन तहसील और आधा छाता तहसील में पड़ता है, जिसके कारण लंबे समय से यह कार्य अटका हुआ था। ग्रामीणों का कहना है कि दो विधानसभाओं के बीच आने के कारण वर्षों तक किसी जनप्रतिनिधि ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए कई किसान परिवारों ने अपनी जमीन भी दान में दी। समाजसेवी जेपी मास्टर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने लगातार संघर्ष करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संपर्क बनाए रखा। उनके अथक प्रयासों के चलते सांसद निधि से सड़क निर्माण को मंजूरी मिली। रविवार को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में समाजसेवी जेपी मास्टर ने फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने साफा, पटुका और फूलमालाओं से अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

ग्रामीण बुजुर्गों ने भावुक होकर कहा कि उनके पूर्वजों ने भी इसी कच्चे और कीचड़ भरे रास्ते से गुजरते हुए जीवन बिताया। अब उन्हें उम्मीद है कि वे अपने जीवनकाल में गांव में पक्की सड़क पर जायेंगे। सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल है। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के गोवर्धन तहसील अध्यक्ष राजकुमार नैन, जिला उपाध्यक्ष दयाराम चौधरी, श्यामवीर सिंह, योगेंद्र गीतम, जुगल, इंद्र, नरेंद्र, नीरज, हरिओम, विजय, अजय, रामनारायण कुंतल, जवाहर सिंह, इंदर सिंह, देवी सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनेंगे युवा

कहा, हर युवा को कौशल प्रशिक्षण योजना का लाभ उठाने की आवश्यकता है

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन लखनऊ द्वारा डीपीएस एजुकेशनल सोसाइटी डैंपियर नगर मथुरा के फैशन डिजाइनिंग कोर्स के प्रशिक्षण केंद्र का मुख्य अतिथि मथुरा-वृंदावन के विधायक एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश के हर युवा को कौशल प्रशिक्षण योजना का लाभ उठाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी के देश व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण आज की महती आवश्यकता है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवा प्रशिक्षणार्थी मुख्यमंत्री

उप्र कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन करते विधायक श्रीकांत शर्मा एवं भाजपा जिला मंत्री इंजीनियर कल्पना गर्ग आदि।

युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत अपना खुद का उद्यम शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुफ्त ऋण ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत युवाओं को अपना फैशन बुटीक, फैशन स्टूडियो या गारमेंट यूनिट स्थापित करने में वित्तीय सहायता मिलेगी जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। डीपीएस एजुकेशनल सोसाइटी डैंपियर नगर मथुरा में स्थित इस केंद्र के माध्यम से 150 युवाओं को फैशन डिजाइनिंग का व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार व स्व रोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई मशीन का वितरण भी किया जाएगा। उद्घाटन के अवसर पर प्रशिक्षणार्थी छात्राओं कुमारी रंजना व कुमारी लक्ष्मी शर्मा के साथ मुख्य

कौशल ही आत्मनिर्भर भारत की कुंजी: श्रीकांत शर्मा

अतिथि ने केंद्र का उद्घाटन किया एवं भाजपा जिला मंत्री इंजीनियर कल्पना गर्ग व डीपीएमयू ललित यादव के साथ मां सरस्वती की छवि पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात केंद्र के निदेशक इंजीनियर देवांश गर्ग द्वारा मुख्य अतिथि को बुके एवं पटका भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर केंद्र की निर्देशिका इंजीनियर कल्पना गर्ग, सपना गर्ग, इंजीनियर सारांश गर्ग, सेंटर मैनेजर फैस अहमद, ईशू कुमार, भूमि यादव, कुसुम सैनी, तनीषा, जयश्री, खुशी यादव, भावना सैनी तथा काफी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। वहीं समारोह का संचालन केंद्र के संस्थापक आशुतोष गर्ग ने किया।

श्री राधारमन महाराज पंचायत मंदिर की नई कार्यकारिणी गठित

यूनिक समय,मथुरा। श्री राधारमन महाराज पंचायत मंदिर की नवीन कार्यकारिणी का चुनाव रविवार को विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी आचार्य दिनेश कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें आचार्य आशीष किशोर गोस्वामी को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि आचार्य पंकज किशोर गोस्वामी को उपमंत्री तथा आचार्य पंकज गोस्वामी को कोषाध्यक्ष पद पर चुना गया। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उपस्थित सदस्यों और श्रद्धालुओं ने शुभकामनाएं दीं। वही शुभकांत गोस्वामी, दिनेश कुमार गोस्वामी, विशाल गोस्वामी, गोपाल कृष्ण गोस्वामी, जयति कृष्ण गोस्वामी, प्रखर गोस्वामी, अनुभूति कृष्ण गोस्वामी, वरुण गोस्वामी, चंद्रमणि गोस्वामी और राधाकांत गोस्वामी को पंच पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। वरिष्ठ आचार्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मंदिर केवल पूजा–अर्चना का केंद्र नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। नवनिर्वाचित मंत्री ने अपने संबोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे।